सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

Accredited Grade ‘A’ by NAAC
[CGPA 3.05]

कला–संकाय

हिन्दी पाठ्यक्रम

(जून, २०१९ से अमलीकृत)

- प्रथम एवं द्वितीय सत्र अनिवार्य हिन्दी
- प्रथम एवं द्वितीय सत्र मुख्य हिन्दी (पेपर–१, २, ३, ४)
- प्रथम एवं द्वितीय सत्र गौण–१, गौण–२ हिन्दी (पेपर–१, २, ३, ४)

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति		अनिवार्य मुख्य गौण-१ गौण-२								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	प्रथम	अनिवार्य	हिन्दी कहानी साहित्य : कथा सरिता एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०४	०१	०१	००	०१
२	स्नातक	प्रथम	मुख्य (पेपर-०१)	आधुनिक हिन्दी कविता : हिन्दी कविता कल और आज	०१	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०१	०१
३	स्नातक	प्रथम	मुख्य (पेपर-०२)	हिन्दी कहानी साहित्य : कहानी नई पुरानी	०२	०३	३०	७०		१००	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
४	स्नातक	प्रथम	गौण-०१ (पेपर-०१)	आधुनिक हिन्दी काव्य	०१	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०२	०१	०१	०१	०१
५	स्नातक	प्रथम	गौण-०१ (पेपर-०२)	कथाभारती	०२	०३	३०	७०		१००	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
६	स्नातक	प्रथम	गौण-०२ (पेपर-०१)	आधुनिक हिन्दी काव्य	०१	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०३	०१	०१	०१	०१
७	स्नातक	प्रथम	गौण-०२ (पेपर-०२)	कथाभारती	०२	०३	३०	७०		१००	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
८	स्नातक	द्वितीय	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी काव्य : पंचवटी एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०४	०१	०२	००	०१
९	स्नातक	द्वितीय	मुख्य (पेपर-०३)	आधुनिक हिन्दी काव्य : शबरी	०३	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१
१०	स्नातक	द्वितीय	मुख्य (पेपर-०४)	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : दौड़	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१
१४	स्नातक	द्वितीय	गौण-०१ (पेपर-०३)	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष	०३	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०२	०१	०२	०३	०१
१५	स्नातक	द्वितीय	गौण-०१ (पेपर-०४)	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : आपका बंटी	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१
१६	स्नातक	द्वितीय	गौण-०२ (पेपर-०३)	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष	०३	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०२	०१	०२	०३	०१
१७	स्नातक	द्वितीय	गौण-०२ (पेपर-०४)	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : आपका बंटी	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी कहानी साहित्य : कथा-सरिता एवं व्याकरण							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०१	००	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	अनिवार्य	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना ।
- छात्रों की कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय			अंक		क्रेडिट	
					नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	एक टोकरी भर मिट्टी	माधवराय सप्रे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'एक टोकरी भर मिट्टी' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०		
			'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी की कथावस्तु	'एक टोकरी भर मिट्टी' में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन				
			'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
			'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य	'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त संदेश				
	ईकाई-२	कफन	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'कफन' का मूल्यांकन				
			'कफन' कहानी का कथासार	'कफन' कहानी के पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ				
			'कफन' कहानी में व्यक्त सामन्ती औपनिवेशिक गठबंधन	'कफन'कहानी का परिवेश				
		पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'पुरस्कार' का मूल्यांकन			०२	०३
			'पुरस्कार' कहानी की कथावस्तु	'पुरस्कार' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
			'पुरस्कार' कहानी में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना	'पुरस्कार' कहानी में व्यक्त देश-प्रेम				
	ईकाई-३	हार की जीत	सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र-चित्रण				
			'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु-प्रेम				
			कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
		व्याकरण	कहावत					
	ईकाई-४	व्याकरण	मुहावरें					
			समानार्थी शब्द					
			विलोमार्थी शब्द					
			कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	

	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – कहावत – समानार्थी शब्द, – मुहावरें – विलोमार्थी शब्द		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथा सरिता
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन डी – १९/२२० नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाड़ज अहमदाबाद (गुजरात) ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपालदास – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
२. हिन्दी कहानी का इतिहास : लालचन्द्र गुप्त– राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
३. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
५. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
६. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
९. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१४. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१५. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१६. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१७. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१८. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१९. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष :२०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी कविता : हिन्दी कविता कल और आज								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता से परिचित कराना ।
- हिन्दी कविता का इतिहास समझाना ।
- कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को हिन्दी कविता में व्यक्त भारतीय अस्मिता को समझाना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय			अंक		क्रेडिट	
					नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	'माता की व्यथा'	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'माता की व्यथा' काव्य का भावार्थ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
			'माता की व्यथा' काव्य में यशोदा की वात्सल्य-भावना	'माता की व्यथा' काव्य में यशोदा माता की विरह भावना				
		उर्मिला का अनुराग	मैथिलिशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'उर्मिला का अनुराग' काव्य में प्रेम भावना				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से उर्मिला का अनुराग' काव्य का मूल्यांकन	'उर्मिला का अनुराग' काव्य का भावार्थ				
	ईकाई-२	अन्वेषण	रामनरेश त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'अन्वेषण' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अन्वेषण' काव्य का मूल्यांकन	'अन्वेषण' काव्य में व्यक्त ईश्वर प्रेम				
		विद्रोही	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'विद्रोही' काव्य का भावार्थ				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विद्रोही' काव्य का मूल्यांकन	'विद्रोही' काव्य में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार				
	ईकाई-३	अरूण यह मधुमय देश हमारा	जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'अरूण यह मधुमय देश हमारा' कविता में व्यक्त भारतीयता				
			'अरूण यह मधुमय देश हमारा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'अरूण यह मधुमय देश हमारा' कविता में व्यक्त प्राकृतिक सौंदर्य				
		आह्वान	सियारामशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'आह्वान' काव्य का भावार्थ				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'आह्वान' काव्य का मूल्यांकन	'आह्वान' कविता में व्यक्त संदेश				
	ईकाई-४	वे मुस्काते फूल नहीं	महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का मूल्यांकन	'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का भावार्थ				
		मैं नीर भरी दु:ख की बदली	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य का भावार्थ	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य में व्यक्त नारी की मनोव्यथा				
			'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य में महादेवी की अनुभूति	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य का काव्य सौष्ठव				
		कुल अंक एवं क्रेडिट			७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) - 'माता की व्यथा ' की यशोदा - 'अन्वेषण' काव्य का उद्देश्य - 'अरूण यह मधुमय देश हमारा' काव्य का शीर्षक - 'उर्मिला का अनुरग' काव्य के शीर्षक की सार्थकता - 'विद्रोही' कविता का शीर्षक - 'आह्वान' काव्य की भाषा - 'वे मुस्काते फूल नहीं' कविता का संदेश - 'मैं नीरभरी दु:ख की बदली' काव्य की प्रतीक योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी कविता : कल और आज
संपादक : दशरथ ओझा
प्राप्ति स्थान : एस. चंद एण्ड कंपनी (प्राईवेट लिमिटेड) रामनगर, नई दिल्ली - ११००५५

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह - तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र - तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा - तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन - तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी - लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी - लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी - विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल - शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०२)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य : कहानी नई पुरानी							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'आकाश-दीप' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आकाश-दीप' कहानी का कथानक	'आकाश-दीप' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य का द्वन्द्व				
		कहानी कला के आधार पर 'आकाश-दीप' का मूल्यांकन	'आकाश-दीप' कहानी का सामुद्रिक परिवेश				
	ईकाई-२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'नमक का दारोगा' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'नमक का दारोगा' कहानी का कथासार	'नमक का दारोगा' कहानी में व्यक्त सामाजिक समस्याएँ				
		कहानी कला के आधार पर 'नमक का दारोगा' का मूल्यांकन	'नमक का दरोगा' कहानी में व्यक्त समाज-संघर्ष				
		वृन्दावनलाल वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'शरणागत' का मूल्यांकन				
		'शरणागत' कहानी का कथानक	'शरणागत' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-३	यशपाल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'परदा' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		'परदा' कहानी का कथानक	'परदा' कहानी में व्यक्त सामाजिक यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'परदा' का मूल्यांकन	'परदा' कहानी में वर्ण-संघर्ष				
		हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'मलबे का मालिक' कहानी में व्यक्त साम्प्रदायिकता				
		'मलबे का मालिक' कहानी का कथासार	'मलबे का मालिक' कहानी में देश-विभाजन की त्रासदी				
		कहानी कला के आधार पर 'मलबे का मालिक' का मूल्यांकन	'मलबे का मालिक' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-४	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'भोलाराम का जीव' कहानी में हास्य-व्यंग्य				
		'भोलाराम का जीव' कहानी की कथावस्तु	'भोलाराम का जीव' कहानी में व्यक्त भ्रष्टाचार				
		कहानी कला के आधार पर 'भोलाराम का जीव' का मूल्यांकन	'भोलाराम का जीव' कहानी का परिवेश				
		कमलेश्वर का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'साँप' कहानी में व्यक्त मनोवैज्ञानिकता				
		'साँप' कहानी का कथानक	'साँप' कहानी की प्रतिकात्मकता				
		कहानी कला के आधार पर 'साँप' कहानी का मूल्यांकन	'साँप' कहानी की भाषा-शैली				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था ' कहानी का शीर्षक – 'परदा' कहानी की संवाद योजना – 'नमक का दारोगा' कहानी का शीर्षक – 'भोलाराम का जीव' कहानी का उद्देश्य – 'आकाश-दीप'कहानी का उद्देश्य – 'शरणागत' कहानी की भाषा शैली – 'मलबे का मालिक' कहानी का उद्देश्य – 'साँप' कहानी का शीर्षक		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कहानी नई पुरानी
संपादक : सोमेश्वर पुरोहित
प्राप्ति स्थान : नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद – ३७००१४

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी	
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०१ (पेपर-०१)	
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य	
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६ | ०१ | ०३ | ०२ | ०१ | ०१ | ०१ | ०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना।
- छात्रों की कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना।
- छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीयता	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पुष्प की अभिलाषा' का काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'पुष्प की अभिलाषा' का मूल्यांकन				
		'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का शीर्षक				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का भावार्थ	'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त कवि की राष्ट्रीय चेतना				
		'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त भारतीय सेनानी यातना	'कैदी और कोकिल' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का संदेश	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कैदी और कोकिल' काव्य का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	सूर्यकान्त त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'तोड़ती पत्थर' का मूल्यांकन				
		'तोड़ती पत्थर' कविता का भावार्थ	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त शोषिक और शोषित का संघर्ष				
		'तोड़ती पत्थर' व्यक्त श्रमीक नारी की वेदना	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त आधुनिकता				
		'भिक्षुक' कविता का यथार्थ	'भिक्षुक' कविता में व्यक्त संदेश				
		'भिक्षुक' कविता में व्यक्त उपेक्षित वर्ग की करूणता	भावपक्ष एवं कलापक्ष दृष्टि में 'भिक्षुक' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का शीर्षक				
	ईकाई-३	सुभद्राकुमारी चौहान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुरझाया फूल' कविता का मूल्यांकन				
		'मुरझाया फूल' कविता का भावार्थ	'मुरझाया फूल' कविता में व्यक्त मनुष्य जीवन की निःसारता				
		'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में व्यक्त देशप्रेम				
		वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	अज्ञेय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'हिरोशीमा' काव्य में व्यक्त विज्ञान के विध्वंसक रूप				
		'हिरोशीमा' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिरोशीमा' काव्य का मूल्यांकन				
		'नदी के द्वीप' कविता का भावार्थ	'नदी के द्वीप' कविता का केन्द्रवर्ती विचार				
		'नदी के द्वीप' कविता में प्रतिकात्मकता	'नदी के द्वीप' कविता का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पुष्प की अभिलाषा' का उद्देश्य – 'स्नेह निर्झर वह गया है' का उद्देश्य – 'नदी के द्वीप' कविता का उद्देश्य – 'कैदी और कोकिल' का शीर्षक – 'मुरझाया फूल' कविता का शीर्षक – 'तोडती पत्थर' का शीर्षक – 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में शूरवीरता – 'भिक्षुक' का उद्देश्य – 'हिरोशीमा' में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक हिन्दी काव्य
संपादक : डॉ. पाराशर
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्राराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०१ (पेपर-०२)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	कथाभारती							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को वर्तमान कहानी-साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को कहानी में निरूपित वैचारिकता से परिचित कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम, कर्तव्य और बलिदान	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'व्रत भंग' कहानी की 'राधा' का चरित्रांकन				
		'व्रत भंग' कहानी का कथासार	'व्रत भंग' कहानी के पुरुष पात्रों का चरित्रांकन				
		कहानी कला के आधार पर 'व्रत भंग' कहानी का मूल्यांकन	'व्रत भंग' कहानी का ऐतिहासिकता				
	ईकाई-२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	हामीद का चरित्र-चित्रण				
		'ईदगाह' कहानी का कथासार	'ईदगाह' कहानी में निरूपित बाल-मनोविज्ञान				
		कहानी कला के आधार पर 'ईदगाह' का मूल्यांकन	'ईदगाह' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र-चित्रण				
		'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु-प्रेम				
		कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
	ईकाई-३	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का कथावस्तु	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में व्यक्त व्यंग्यात्मकता				
		कहानी तत्त्वों के आधार पर 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' का मूल्यांकन	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में निरूपित भ्रष्टाचार				
		उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	गजाधर बाबु का चरित्र चरित्रांकन				
		'वापसी' कहानी का कथानक	'वापसी' कहानी में व्यक्त सामाजिक असमानता				
		कहानी कला के आधार पर 'वापसी' का मूल्यांकन	'वापसी' कहानी में सेवासिद्धांतों की मनोदशा				
	ईकाई-४	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एव कृतित्व	सोमा बुआ का चरित्रांकन				
		'अकेली' कहानी का कथानक	'अकेली' कहानी में व्यक्त नारी-वेदना				
		कहानी कला के आधार पर 'अकेली' कहानी का मूल्यांकन	'अकेली' कहानी का परिवेश				
		ओमप्रकाश वाल्मीकि का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'घुस पैठिये' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'घुस पैठिये' कहानी का कथासार	'घुस पैठिये' कहानी में निरूपित दलित-जीवन का यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'घुस पैठिये' कहानी का मूल्यांकन	'घुस पैठिये' कहानी में वर्तमान शासन व्यवस्था के प्रति आक्रोश				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था' कहानी का शीर्षक – 'ईदगाह' कहानी में मुस्लिम परिवेश – 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी की भाषा शैली – 'अकेली' कहानी का परिवेश – 'व्रतभंग'कहानी के शीर्षक की सार्थकता – 'ईदगाह' कहानी का संदेश – 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का शीर्षक – 'व्रतभंग कहानी का उद्देश्य – 'हार की जीत' कहानी का उद्देश्य – 'वापसी' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथाभारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
सहसंपादक : डॉ. प्रविणसिंह चौहाण
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, १०२-नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली गाँव, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०२ (पेपर-०१)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०३	०१	०१	०१	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- ➤ छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना ।
- ➤ छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना ।
- ➤ छात्रों की कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- ➤ छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीयता	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०		
		'पुष्प की अभिलाषा' का काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'पुष्प की अभिलाषा' का मूल्यांकन				
		'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का शीर्षक				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का भावार्थ	'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त कवि की राष्ट्रीय चेतना				
		'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त भारतीय सेनानी यातना	'कैदी और कोकिल' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का संदेश	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कैदी और कोकिल' काव्य का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	सूर्यकान्त त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'तोड़ती पत्थर' का मूल्यांकन				
		'तोड़ती पत्थर' कविता का भावार्थ	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त शोषिक और शोषित का संघर्ष				
		'तोड़ती पत्थर' व्यक्त श्रमीक नारी की वेदना	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त आधुनिकता				
		'भिक्षुक' कविता का यथार्थ	'भिक्षुक' कविता में व्यक्त संदेश				
		'भिक्षुक' कविता में व्यक्त उपेक्षित वर्ग की करूणता	भावपक्ष एवं कलापक्ष दृष्टि में 'भिक्षुक' कविता का मूल्यांकन			०२	०३
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का शीर्षक				
	ईकाई-३	सुभद्राकुमारी चौहान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुरझाया फूल' कविता का मूल्यांकन				
		'मुरझाया फूल' कविता का भावार्थ	'मुरझाया फूल' कविता में व्यक्त मनुष्य जीवन की निःसारता				
		'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में व्यक्त देशप्रेम				
		वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	अज्ञेय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'हिरोशीमा' काव्य में व्यक्त विज्ञान के विध्वंसक रूप				
		'हिरोशीमा' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिरोशीमा' काव्य का मूल्यांकन				
		'नदी के द्वीप' कविता का भावार्थ	'नदी के द्वीप' कविता का केन्द्रवर्ती विचार				
		'नदी के द्वीप' कविता में प्रतिकात्मकता	'नदी के द्वीप' कविता का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पुष्प की अभिलाषा' का उद्देश्य – 'स्नेह निर्झर वह गया है' का उद्देश्य – 'नदी के द्वीप' कविता का उद्देश्य – 'कैदी और कोकिल' का शीर्षक – 'मुरझाया फूल' कविता का शीर्षक – 'तोडती पत्थर' का शीर्षक – 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में शूरवीरता – 'भिक्षुक' का उद्देश्य – 'हिरोशीमा' में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक हिन्दी काव्य
संपादक : डॉ. पाराशर
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०२ (पेपर-०२)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	कथाभारती							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को वर्तमान कहानी-साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को कहानी में निरूपित वैचारिकता से परिचित कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम, कर्तव्य और बलिदान	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'व्रत भंग' कहानी की 'राधा' का चरित्रांकन				
		'व्रत भंग' कहानी का कथासार	'व्रत भंग' कहानी के पुरुष पात्रों का चरित्रांकन				
		कहानी कला के आधार पर 'व्रत भंग' कहानी का मूल्यांकन	'व्रत भंग' कहानी का ऐतिहासिकता				
	ईकाई-२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	हामीद का चरित्र-चित्रण				
		'ईदगाह' कहानी का कथासार	'ईदगाह' कहानी में निरूपित बाल-मनोविज्ञान				
		कहानी कला के आधार पर 'ईदगाह' का मूल्यांकन	'ईदगाह' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र-चित्रण				
		'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु-प्रेम				
		कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
	ईकाई-३	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का कथावस्तु	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में व्यक्त व्यंग्यात्मकता				
		कहानी तत्त्वों के आधार पर 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' का मूल्यांकन	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में निरूपित भ्रष्टाचार				
		उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	गजाधर बाबु का चरित्र चरित्रांकन				
		'वापसी' कहानी का कथानक	'वापसी' कहानी में व्यक्त सामाजिक असमानता				
		कहानी कला के आधार पर 'वापसी' का मूल्यांकन	'वापसी' कहानी में सेवासिद्धांतों की मनोदशा				
	ईकाई-४	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एव कृतित्व	सोमा बुआ का चरित्रांकन				
		'अकेली' कहानी का कथानक	'अकेली' कहानी में व्यक्त नारी-वेदना				
		कहानी कला के आधार पर 'अकेली' कहानी का मूल्यांकन	'अकेली' कहानी का परिवेश				
		ओमप्रकाश वाल्मीकि का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'घुस पैठिये' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'घुस पैठिये' कहानी का कथासार	'घुस पैठिये' कहानी में निरूपित दलित-जीवन का यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'घुस पैठिये' कहानी का मूल्यांकन	'घुस पैठिये' कहानी में वर्तमान शासन व्यवस्था के प्रति आक्रोश				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था' कहानी का शीर्षक – 'ईदगाह' कहानी में मुस्लिम परिवेश – 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी की भाषा शैली – 'अकेली' कहानी का परिवेश – 'व्रतभंग'कहानी के शीर्षक की सार्थकता – 'ईदगाह' कहानी का संदेश – 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का शीर्षक – 'व्रतभंग कहानी का उद्देश्य – 'हार की जीत' कहानी का उद्देश्य – 'वापसी' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथाभारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
सहसंपादक : डॉ. प्रविणसिंह चौहाण
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, १०२-नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली गाँव, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : पंचवटी एवं व्याकरण							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०२	००	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	अनिवार्य	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की वैचारिकता के भेद को समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- पल्लवन एवं संक्षेपण के स्वरूप को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्भव एवं विकास				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की कथावस्तु				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
	ईकाई-२	'पंचवटी' काव्य का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त भारतीय संस्कृति				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त पाश्चात्य संस्कृति				
	ईकाई-३	'पंचवटी' खण्डकाव्य के चरित्रों का चित्रण				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त प्रकृति, संदेश एवं शीर्षक की सार्थकता				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की आधुनिकता				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त आदर्श राजनीति				
	ईकाई-४	पल्लवन				
		संक्षेपण				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की संवाद-योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की अलंकार-योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की छंद-योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य का वातावरण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पंचवटी
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य-सदन, १८४-तलैया, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी व्याकरण की सरल पद्धति : डॉ. बदरीनाथ कपूर – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
७. व्यावहारिक हिन्दी : कैलाशचन्द्र भाटिया – तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
८. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एक नया अनुशीलन : के. के. कृष्णन नम्बूदिरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. लिपि वर्तनी और भाषा : डॉ. बदरीनाथ कपूर – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
१०. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण : विराज–राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली
११. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
१२. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
१३. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
१४. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुण्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
१५. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१६. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
१७. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१८. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१९. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन
२०. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
२१. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
२२. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
२३. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
२४. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
२५. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
२६. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२७. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०३)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : शबरी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	मुख्य (पेपर-०३)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्र श्रम, कर्म एवं धर्म का महत्व समझे ।
- 'जाति नहीं कर्म ही सर्वश्रेष्ठ है ।' उक्ति को छात्र समझे ।
- नरेश मेहता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- शबरी की आत्मिक शक्तियों के साथ अपनी आत्मिक शक्तियों की तुलना करें ।
- छात्रगण जातिगत अधिकारों के बदले कर्मयत अधिकारों के प्रति जागृत हों ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : परंपरा एवं विकास				
		'शबरी' खण्डकाव्य की कथावस्तु				
		'शबरी' का खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
	ईकाई-२	'शबरी' का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
		'शबरी' खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'शबरी' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		'शबरी' खण्डकाव्य में व्यक्त आध्यात्मिकता				
	ईकाई-३	'शबरी' खण्डकाव्य के चरित्रों का मूल्यांकन				
		'शबरी' खण्डकाव्य में निरूपित वर्णव्यवस्था				
		'शबरी' खण्डकाव्य में नारी चेतना				
		'शबरी' खण्डकाव्य में श्रम एवं भाग्य का संघर्ष				
	ईकाई-४	'शबरी' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'शबरी' खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		'शबरी' खण्डकाव्य में निरूपित राजव्यवस्था				
		'शबरी' खण्डकाव्य में व्यक्त दलित चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'शबरी' खण्डकाव्य की संवाद–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य का मतंगऋषि		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : शबरी (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : नरेश मेहता
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. नरेश मेहता का काव्य संवेदना और शिल्प : अभियचन्द्र पटेल – आराधना ब्रधर्स, २२४/२५२ सी, गोविन्दनगर, कानपुर – २०८००६
२. नरेश मेहता के खण्डकाव्य एक अनुशीलन : प्रा. कविता शर्मा, २२–सप्तकिरण सोसायटी, सहजानंद कॉलेज समीप, अहमदाबाद–२५
३. नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन : प्रभाकर शर्मा – पंचशील प्रकाशन, फिल्म कोलोनी, जयपुर – ३०२००३
४. नयी कवित के प्रमुख हस्ताक्षर : संतोषकुमार तिवारी – जवाहर पुस्तकालय, सदर बाजार, मथुर
५. नरेश मेहता : कविता की उर्ध्वयात्रा : रामकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. मिथकीय संदर्भो में रामचरित : डॉ. शुभद्रा पाटील – विद्या प्रकाशन २२५/६८ के (एन.टी.सी.) गोविन्दनगर, कानपुर – ६
७. शबरी : महादेवी शर्मा – विद्यामंदिर लिमिटेड, नई दिल्ली
८. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य में रामकथा का पुराख्यान : डॉ. पुष्पारानी – शांति प्रकाशन, आस–२२४४२ रोहतक, हरियाणा
९. हिन्दी रामकाव्य का स्वरूप और विकास : डॉ. पुष्पारानी – वाणी प्रकाशन, ६२–एफ, कमलानगर, दिल्ली
१०. नरेश मेहता और उनका महाप्रस्थान : कृष्णदेव शर्मा – रीगल बुक डीपो, दिल्ली
११. नरेश मेहता की वैष्णव काव्य–यात्रा : डॉ. विमला सिंह – शिल्पी प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०४)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास - दौड़								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	मुख्य (पेपर-०४)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य-रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।
- छात्र उपन्यास और कहानी का अंतर समझे ।
- भूमण्डलीकरण, बाजारवाद, वैश्विकरण आदि के बारे में छात्र विस्तार से समझे ।
- छात्रों को वर्तमान शिक्षा-पद्धति से अवगत करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक: नियमित परीक्षार्थी	अंक: बाह्य परीक्षार्थी	क्रेडिट: नियमित परीक्षार्थी	क्रेडिट: बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी महिला उपन्यासकारों में ममता कालिया का स्थान				
		'दौड़' उपन्यास की कथावस्तु				
		'दौड़' उपन्यास की पात्र-योजना				
	ईकाई-२	उपन्यास-कला के आधार पर 'दौड़' का मूल्यांकन				
		भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में 'दौड़' उपन्यास का मूल्यांकन				
		'दौड़' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ				
		'दौड़' उपन्यास की संवाद-योजना				
	ईकाई-३	'दौड़' उपन्यास का शीर्षक				
		'दौड़' उपन्यास का उद्देश्य				
		'दौड़' उपन्यास में व्यक्त उपभोक्तावादी संस्कृति				
		'दौड़' उपन्यास में व्यक्त शिक्षा में भ्रष्टाचार				
	ईकाई-४	'दौड़' उपन्यास का परिवेश				
		'दौड़' उपन्यास की भाषाशैली				
		'दौड़' उपन्यास में व्यक्त मार्क्सवादी चिंतन				
		'दौड़' उपन्यास का अन्त				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – ‘दौड़’ उपन्यास की वैचारिकता – ‘दौड़’ उपन्यास में व्यक्त बाजारीकरण – ‘दौड़’ उपन्यास में व्यक्त मानवीय संवेदना – ‘दौड़’ उपन्यास की समसामायिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : दौड़ (उपन्यास)
लेखिका : ममता कालिया
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. फैमिदा बिजापुरे – विनय प्रकाशन, कानपुर
२. हिन्दी उपन्यास साहित्य की विकास परम्परा में साठोत्तरी उपन्यास : डॉ. पारूकान्त – चिंतन प्रकाशन, कानपुर
३. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान, लिपिक प्रकाशन, दिल्ली
४. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास : अतुलवीर अरोडा, पंजाब पब्लिकेशन, चंदीगढ
५. उपन्यास समीक्षा के नये आयाम : दंगल झाल्टे – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
६. आधुनिक समाज की नारी चेतना : डॉ. सुशील वर्मा – आशा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
७. उत्तरशती का हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. मोहनन – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
८. कथाकार : ममता कालिया : डॉ. रेखा मुळे – विकास प्रकाशन, कानपुर
९. उपन्यास : स्वरूप तथा शिल्प : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त – अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नवम् दशक के उपन्यास : संवेदना और शिल्प – डॉ. कल्पना माणिकचंद व्हसाळे – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
११. भारतीय नारी : दशा और दिशा : आशा रानी व्होरा – नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१२. महिला उपन्यासकारों के रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ : डॉ. शीलप्रभा वर्मा – विद्या विहार, कानपुर
१३. महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि : डॉ. अमर ज्योति – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
१४. महिला कथाकार समाजशास्त्रीय एवं संकल्पना : डॉ. काश्मीरीलाल – भावना प्रकाशन, पटडगंज, दिल्ली
१५. महिला उपन्यासकारों की सामाजिक चेतना एवं शिक्षा : डॉ. सुनीता सक्सेना – आशा पब्लिशिंग कंपनी, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-०३)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-१ (पेपर-०३)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्रगण भारतीय आध्यात्मिक अस्मिता को गहराई से समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- छात्र नहुष की चारित्रिक विशेषताओं को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्भव एवं विकास				
		'नहुष' खण्डकाव्य का कथानक				
		'नहुष' का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'नहुष' खण्डकाव्य का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		'नहुष' खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य के पात्रों का चरित्र-मूल्यांकन				
	ईकाई-३	'नहुष' खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की संवाद-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
	ईकाई-४	'नहुष' खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		'नहुष' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य का नायक				
		'नहुष' खण्डकाव्य की रस-योजना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'नहुष' खण्डकाव्य में व्यक्त देवलोक – 'नहुष' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य में अलौकिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थीं के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : नहुष (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य–सदन, चिरगाँव, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली – ६
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
६. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
७. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
८. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
९. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१०. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
११. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१३. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-०४)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास - आपका बंटी							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-१ (पेपर-०४)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य-रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्विकता समझे ।
- छात्र मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाने ।
- छात्र हिन्दी उपन्यास में मनोवैज्ञानिक उपन्यास साहित्य को जाने ।
- छात्र उपन्यास के उद्भव एवं विकास को समझे ।
- छात्र संदर्भित उपन्यास की मूल संवेदना को जाने ।
- छात्र समसामयिक परिस्थितियाँ एवं हिन्दी उपन्यास के तारतम्य को जाने ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास				
		'आपका बंटी' उपन्यास की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'आपका बंटी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'आपका बंटी' उपन्यास में 'बंटी' का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास की मूल संवेदना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में चीत्रत समस्याएँ				
	ईकाई-३	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त बाल मनोविज्ञान				
		'आपका बंटी' उपन्यास की आधुनिकता				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त दाम्पत्य जीवन				
		'आपका बंटी' उपन्यास का परिवेश				
	ईकाई-४	'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित नारी जीवन				
		वर्तमान मानव समाज के टूटते संबंध और 'आपका बंटी' की आलोचना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त अकेलापन की स्थिति				
		'आपका बंटी' उपन्यास की समसामयिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'आपका बंटी' शीर्षक सार्थकता – ' 'आपका बंटी' उपन्यास का उद्देश्य – 'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त मातृ प्रेम – 'आपका बंटी' उपन्यास की संवाद योजना – 'आपका बंटी' उपन्यास की सकुन – 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आपका बंटी
लेखिका : मन्नू भण्डारी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार : डॉ. वैशाली देशपाण्डे – विद्या प्रकाशन, 'सी' ४४९ गुजैनी, कानपुर
२. महिला उपन्यासकार : डॉ. मधु सिंह – निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
११. स्त्री–पु=षों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-०३)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-२ (पेपर-०३)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्रगण भारतीय आध्यात्मिक अस्मिता को गहराई से समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- छात्र नहुष की चारित्रिक विशेषताओं को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्भव एवं विकास				
		'नहुष' खण्डकाव्य का कथानक				
		'नहुष' का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'नहुष' खण्डकाव्य का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		'नहुष' खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य के पात्रों का चरित्र-मूल्यांकन				
	ईकाई-३	'नहुष' खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की संवाद-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
	ईकाई-४	'नहुष' खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		'नहुष' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य का नायक				
		'नहुष' खण्डकाव्य की रस-योजना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'नहुष' खण्डकाव्य में व्यक्त देवलोक – 'नहुष' खण्डकाव्य की छंद-योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य की अलंकार-योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य में अलौकिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : नहुष (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य-सदन, चिरगाँव, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली – ६
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र-मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतः सूत्रः कृष्णदत्त पालीवल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोतः डॉ. शशि अग्रवाल-हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायताः उमाकान्त-नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
६. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
७. हिन्दी साहित्य के निर्माताः मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
८. राष्ट्रीय चेतना के कविः मैथिलीकरण गुण्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
९. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१०. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
११. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१३. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-०४)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास - आपका बंटी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-२ (पेपर-०४)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य-रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।
- छात्र मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाने ।
- छात्र हिन्दी उपन्यास में मनोवैज्ञानिक उपन्यास साहित्य को जाने ।
- छात्र उपन्यास के उद्भव एवं विकास को समझे ।
- छात्र संदर्भित उपन्यास की मूल संवेदना को जाने ।
- छात्र समसामयिक परिस्थितियाँ एवं हिन्दी उपन्यास के तारतम्य को जाने ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास				
		'आपका बंटी' उपन्यास की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'आपका बंटी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'आपका बंटी' उपन्यास में 'बंटी' का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास की मूल संवेदना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में चीत्रत समस्याएँ				
	ईकाई-३	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त बाल मनोविज्ञान				
		'आपका बंटी' उपन्यास की आधुनिकता				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त दाम्पत्य जीवन				
		'आपका बंटी' उपन्यास का परिवेश				
	ईकाई-४	'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित नारी जीवन				
		वर्तमान मानव समाज के टूटते संबंध और 'आपका बंटी' की आलोचना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त अकेलापन की स्थिति				
		'आपका बंटी' उपन्यास की समसामयिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'आपका बंटी' शीर्षक सार्थकता – ' 'आपका बंटी' उपन्यास का उद्देश्य – 'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त मातृ प्रेम – 'आपका बंटी' उपन्यास की संवाद योजना – 'आपका बंटी' उपन्यास की सकुन – 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आपका बंटी
लेखिका : मन्नू भण्डारी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार : डॉ. वैशाली देशपाण्डे – विद्या प्रकाशन, 'सी' ४४९ गुजैनी, कानपुर
२. महिला उपन्यासकार : डॉ. मधु सिंह – निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
११. स्त्री–पु=षों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

Accredited Grade ‘A’ by NAAC
[CGPA 3.05] – Third Cycle

कला–संकाय

हिन्दी स्नातक पाठ्यक्रम

(जून, २०२० से अमलीकृत)

- तृतीय एवं चतुर्थ सत्र अनिवार्य हिन्दी
- तृतीय एवं चतुर्थ सत्र मुख्य हिन्दी (पेपर–५, ६, ७, ८, ९, १०)
- तृतीय एवं चतुर्थ सत्र गौण–१, गौण–२ हिन्दी (पेपर–५, ६, ८, ९)

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९–२०

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति		अनिवार्य मुख्य गौण–१ गौण–२								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	तृतीय	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी एकांकी : सप्त एकांकी एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०४	०१	०१	००	०१
२	स्नातक	तृतीय	मुख्य (पेपर–०५)	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादी काव्य वैभव	०५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०५	०१
३	स्नातक	तृतीय	मुख्य (पेपर–०६)	हिन्दी का मनोवैज्ञानिक उपन्यास : त्यागपत्र	०६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०६	०१
४	स्नातक	तृतीय	गौण–०१ (पेपर–०५)	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ	०५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०२	०१	०१	०५	०१
५	स्नातक	तृतीय	गौण–०१ (पेपर–०६)	हिन्दी का समस्यामूलक उपन्यास : चित्रलेखा	०६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०६	०१
६	स्नातक	तृतीय	गौण–०२ (पेपर–०५)	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ	०५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०३	०१	०१	०५	०१
७	स्नातक	तृतीय	गौण–०२ (पेपर–०६)	हिन्दी का समस्यामूलक उपन्यास : चित्रलेखा	०६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०६	०१
८	स्नातक	तृतीय	मुख्य (पेपर–०७)	हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल, भक्तिकाल	०७	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०७	०१
९	स्नातक	चतुर्थ	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी काव्य : धनुषभंग एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०४	०१	०२	००	०१
१०	स्नातक	चतुर्थ	मुख्य (पेपर–०८)	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काव्य वैभव	०८	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	०८	०१
११	स्नातक	चतुर्थ	मुख्य (पेपर–०९)	हिन्दी का सामाजिक उपन्यास : सारा आकाश	०९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	०९	०१
१२	स्नातक	चतुर्थ	गौण–०१ (पेपर–०८)	हिन्दी की दलित काव्यधारा : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ	०८	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०२	०१	०२	०८	०१
१३	स्नातक	चतुर्थ	गौण–०१ (पेपर–०९)	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया	०९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	०९	०१
१४	स्नातक	चतुर्थ	गौण–०२ (पेपर–०८)	हिन्दी की दलित काव्यधारा : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ	०८	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०२	०१	०२	०८	०१
१५	स्नातक	चतुर्थ	गौण–०२ (पेपर–०९)	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया	०९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	०९	०१
१६	स्नातक	चतुर्थ	मुख्य (पेपर–१०)	हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल, रीतिकाल	१०	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	१०	०१

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी एकांकी : सप्त एकांकी एवं व्याकरण							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०४	०१	०३	००	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्र हिन्दी एकांकी के स्वरूप को विस्तार से जानें ।
- छात्र नाट्य प्रकारों को जानें ।
- छात्र हिन्दी एकांकी नाटकों का उद्भव एवं विकास समझे ।
- छात्र भारतीय एवं पारसी रंगमंच की स्थापना का इतिहास समझे ।
- छात्र नाटक एवं नाट्य का भेद समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट एकांकीकारों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	डॉ. रामकुमार वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी का कथानक				
		'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी में व्यक्त ऐतिहासिकता				
		एकांकी कला के आधार पर 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी का मूल्यांकन				
		उपेन्द्रनाथ 'अश्क' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का कथासार				
	ईकाई–२	एकांकी के तत्वों के आधार पर 'लक्ष्मी का स्वागत' का मूल्यांकन				
		'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी में व्यक्त लेखक की स्वानुभूति				
		भुवनेश्वरप्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'स्ट्राईक' एकांकी का कथानक				
		एकांकी–कला के आधार पर 'स्ट्राईक' का मूल्यांकन				
		आधुनिक स्त्री–पुरुष के संबंधों की एक उबाऊ जीवन यात्रा – 'स्ट्राईक'				
	ईकाई–३	जगदीशचन्द्र माथुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का कथानक				
		एकांकी–कला के आधार पर 'रीढ़ की हड्डी' का मूल्यांकन				
		'रीढ़ की हड्डी' में व्यक्त सामाजिक यथार्थवाद				
		ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'यहाँ रोना मना है' एकांकी का कथानक				
	ईकाई–४	एकांकी–कला के आधार पर 'यहाँ रोना मना है' का मूल्यांकन				
		'यहाँ रोना मना है' एकांकी में व्यक्त नारी चेतना				
		आवेदन–पत्र				
		व्यावसायिक–पत्र				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी का उद्देश्य – 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता – 'स्ट्राईक' एकांकी में व्यक्त संवाद-योजना – 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की भाषा-शैली – 'यहाँ रोना मना है' एकांकी का उद्देश्य – 'स्ट्राईक' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : सप्त एकांकी
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी-१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी समस्यामूलक नाटकों की शिल्प-विधि : पूनम कुमारी – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. नया हिन्दी नाटक : भानुदेव शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. नाटक और नाट्य शैलियाँ : दुर्गा दीक्षित – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. हिन्दी के नाट्य शिल्पी : शान्ति मलिक – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. नाट्य सिद्धांत विवेचन – शान्ति मलिक – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
८. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
९. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१०. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
११. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१२. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१३. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१४. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर–०५)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादी काव्य–वैभव							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०३	०५	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	मुख्य–०५	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी कविता के विकासक्रम को जानें ।
- छात्र छायावादी काव्य पर विदेशी साहित्य का प्रभाव विस्तार से समझे ।
- छात्रगण छायावादी काव्य एवं हालावादी काव्य का अंतर समझे ।
- छात्र पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता के भाव एवं शिल्प को समझे ।
- छात्र छायावादी काव्य–प्रवृत्तियों को विस्तार से समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य का मूल्यांकन				
		'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना				
		'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य में व्यक्त सांस्कृति जागरण				
		सुमित्रानन्दन पंत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
	ईकाई–२	'प्रथम रश्मि' काव्य का भावार्थ				
		'प्रथम रश्मि' काव्य में व्यक्त प्राकृतिक रहस्यवाद				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'ताज' काव्य का मूल्यांकन				
		'ताज' काव्य में व्यक्त मानवतावादी संदेश				
		'भारतमाता' कविता का केन्द्रीय भाव				
	ईकाई–३	'भारतमाता' काव्य में व्यक्त ग्रामीण–चेतना				
		'भारतमाता' काव्य में व्यक्त भारतमाता की गौरवगाथा				
		सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'वह तोड़ती पत्थर' कविता में व्यक्त भारतीय शोषित समाज का वर्णन				
		'वह तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त प्रगतिशील विचाराधारा				
	ईकाई–४	'भिक्षुक' कविता में उपेक्षित वर्ग की करूणता				
		'भिक्षुक' काव्य में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य का मूल्यांकन				
		'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य का रहस्यवाद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'प्रथम रश्मि' काव्य का संदेश – 'वह तोडती पत्थर' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'ताज' काव्य का उद्देश्य – 'भारतमाता' काव्य का उद्देश्य – 'भिक्षुक' काव्य का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छायावादी काव्य–वैभव
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी–१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. कामायनी एक अध्ययन : डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, आणंद
२. छायावाद : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. प्रसाद काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिप्रसाद गुप्त – भाषा साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
४. छायावाद के स्तंभ, डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. हिन्दी के अर्वाचीन रत्न : डॉ. विमलकुमार जैन – नेशनल पब्लिशींग हाउस दिल्ली
६. पंत : आधुनिक कवि : प्रो. राजकुमार शर्मा, पद्म बुक कम्पनी, जयपुर
७. सुमित्रानंदन पंत तथा आधुनिक हिन्दी कविता में परंपरा और नवीनता : ई. चेलीशेव – रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
८. महाकवि निराला : सं. जानकीवल्लभ शास्त्री – निराला निकेतन, मुजफ्फरपुर
९. महादेवी : नया मूल्यांकन : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, भारतेन्दु भवन, शिमला – ०१
१०. निराला : आत्माहन्ता आस्था, दूधनाथसिंह, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
११. प्रसाद–प्रतिभा, सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी–साहित्य का सर्वेक्षण (काव्य खण्ड), विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
१३. महादेवी वर्मा (चिन्तन और कला), सं. इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
१४. सुमित्रानन्द पन्त, डॉ. नगेन्द्र, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
१५. निराला, रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
१६. समकालीन कवि : दृष्टि और बोध, रतनकुमार पाण्डेय, अनंग प्रकाशन, दिल्ली–५३
१७. कविता की जमीन और दर्शन, शांति जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१८. सुमित्रानंदन पंत जीवन और दर्शन, शांति जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१९. आज के लोकप्रिय कवि सुमित्रानन्दन पंत, डॉ. हरिवंशराय बच्चन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२०. आज के लोकप्रिय कवि महादेवी वर्मा, गंगाप्रसाद पांडेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर–०६)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का मनोवैज्ञानिक उपन्यास : त्यागपत्र							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०३	०१	०३	०६	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	मुख्य (पेपर–०६)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण हिन्दी मनोवैज्ञानिक उपन्यास परम्परा को समझे ।
- छात्र उपन्यास और कहानी की भेद–रेखा को जानें ।
- छात्र फ्राइड के 'मनोविश्लेषणात्मक' सिद्धांत को गहराई से जानें ।
- छात्र जैनेन्द्रकुमार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानें ।
- छात्र पाठ्यक्रम कृति 'त्यागपत्र' में व्यक्त पात्रों की मन:स्थितियों को जानें ।
- छात्रगण 'त्यागपत्र' उपन्यास की जातिगत व्यवस्था को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक: नियमित परीक्षार्थी	अंक: बाह्य परीक्षार्थी	क्रेडिट: नियमित परीक्षार्थी	क्रेडिट: बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी की मनोवैज्ञानिक उपन्यास परम्परा : उद्‌भव एवं विकास				
		जैनेन्द्रकुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'त्यागपत्र' उपन्यास का कथानक				
		उपन्यास कला के आधार पर 'त्यागपत्र' का मूल्यांकन				
	ईकाई–२	मृणाल का चरित्र–चित्रण				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में चित्रित स्त्री–जीवन की समस्याएँ				
		'त्यागपत्र' उपन्यास की मनोवैज्ञानिकता				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त यौन–संबंधों का चित्रण				
	ईकाई–३	प्रमोद का चरित्र–चित्रण				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त जातिगत व्यवस्था				
		'त्यागपत्र' उपन्यास की संवाद–योजना				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त परिवेश				
	ईकाई–४	'त्यागपत्र' उपन्यास में आदर्शवाद				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त समाजिक–चेतना				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		'त्यागपत्र' उपन्यास का शिल्प–विधान				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'त्यागपत्र' उपन्यास का उद्देश्य – 'त्यागपत्र' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त प्रेमानुभूति – 'त्यागपत्र' उपन्यास की भाषा–शैली – 'त्यागपत्र' उपन्यास का अन्त – 'त्यागपत्र' उपन्यास में अश्लिलता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : त्यागपत्र
लेखक : जैनेन्द्रकुमार
प्राप्ति स्थान : पूर्वोदय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर – पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
३. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. भीष्म साहनी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
५. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ : डॉ. शशिभूषण सिंहल – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
६. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास : सं. रामजी तिवारी – परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
७. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश 'अमिताभ' – गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा
८. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य, दुर्गेश नन्दिनी, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
९. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र – गिरनार प्रकाशन, महेसाणा
१०. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-०५)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०२	०१	०३	०५	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण – १	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम की कविताओं को पढ़कर राष्ट्रप्रेम की ओर प्रेरीत हों ।
- छात्रगण धर्म, जाति, संप्रदाय भाषा क्षेत्र की संकीर्णता से उपर उठकर मानव बंधुत्व की भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम की कविता पढ़कर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना पैदा हो ।
- छात्रों में अपनी मातृभूमि के प्रति ममत्व पैदा होगा ।
- छात्रों में 'स्व' से उपर उठकर राष्ट्र तथा देश की स्वतंत्रता और सम्पन्नता का भाव पैदा होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक		हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताओं में व्यक्त राष्ट्रप्रेम का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मातृभूमि' कविता का मूल्यांकन				
		'मातृभूमि' कविता में व्यक्त भारत की प्राकृतिक सुषमा				
		'भारत माता का मंदिर यह' कविता का भावार्थ				
	ईकाई-२	रामधारीसिंह 'दिनकर' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'हिमालय के प्रति' काव्य का भावार्थ				
		'हिमालय के प्रति' काव्य में व्यक्त पौराणिक चेतना				
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में व्यक्त जन-चेतना				
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में व्यक्त राजनैतिक चेतना				
	ईकाई-३	सुभद्राकुमारी चौहाण : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'झाँसी की रानी' कविता का भावार्थ				
		'झाँसी की रानी' कविता में व्यक्त नारी-चेतना				
		'जलियाँवाला बाग में बसंत' कविता में व्यक्त राष्ट्र-प्रेम				
		'जलियाँवाला बाग में बसंत' कविता में व्यक्त अत्यचारों की बर्बरता				
	ईकाई-४	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'विप्लव गायन' काव्य का भावार्थ				
		'विप्लव गायन' कविता में निरूपित राष्ट्रीय जागरण स्वर				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिन्दुस्तान हमारा है' काव्य का मूल्यांकन				
		'हिन्दुस्तान हमारा है' काव्य में व्यक्त राष्ट्रप्रेम				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप – 'मातृभूमि' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'भारतमाता का मंदिर यह' काव्य का उद्देश्य – 'हिमालय के प्रति' काव्य का संदेश – 'सिंहासन खाली करो' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'झांसी की रानी' काव्य में व्यक्त मध्यवर्ती विचार – 'जलियाँवाला बाग' काव्य का उद्देश्य – 'विप्लव गायन' काव्य में कवि का संदेश – 'हिन्दुस्तान हमारा है' में व्यक्त भारत की महिमा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्रकाशक : शान्ति प्रकाशन, १७८०, सेक्टर–१, दिल्ली बाई–पास, रोहतक–१२४००१(हरियाणा) ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. काव्य–चिंतन : डॉ. नगेन्द्र – नवभारती प्रकाशन, मेरठ
२. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि माखनलाल चतुर्वेदी : सं. हरिकृष्ण 'प्रेमी' – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
३. वीर काव्य : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती भण्डार, इलाहाबाद
४. भारतेन्दु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. अरविन्दकुमार देसाई – सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
५. कवि धर्म : डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
६. माखनलाल चतुर्वेदी : डॉ. प्रभाकर माचवे – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
७. दिनकर का व्यक्तित्व : डॉ. एस. प्रमीला – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
८. पथ के साथी : महादेवी वर्मा – भारती भंडार, इलाहाबाद
९. साहित्यिक निबंध : दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१०. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
११. माखनलाल चतुर्वेदी : एक यात्रा–पुरुष, सं. श्रीकान्त जोशी – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
१३. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एस. पी. शर्मा
१४. राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य, सं. योगेन्द्र गोस्वामी – अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, न्यास, नई दिल्ली
१५. संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि रामधारीसिंह दिनकर : सं. श्री मन्मथनाथ गुप्त – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. वीर काव्य : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती भण्डार, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-६)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का समस्यामूलक उपन्यास : चित्रलेखा								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०३	०६	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण-१	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से छात्रों में मानवीय गुणों की उत्कृष्टता प्रस्थापित करना ।
- छात्रों को 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से कर्म और भोग का पारस्परिक संबंध समझाना ।
- छात्रों को समयानुसार मानवीय भावनाओं के बदलाव को समझाना ।
- छात्रों को पाप और पुण्य की तात्त्विक भेद-रेखा समझाना ।
- आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को मानवीय जीवन की क्षण-भंगुरता को समझाना ।
- 'मनुष्य परिस्थितियों का दास होता है'- आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को गहराई से समझाना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास : उद्भव एवं विकास				
		भगवतीचरण वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'चित्रलेखा' उपन्यास का कथानक				
		योगीकुमार गिरि का चरित्र-चित्रण				
	ईकाई-२	उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'चित्रलेखा' का मूल्यांकन				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त पाप-पुण्य की समीक्षा				
		'चित्रलेखा' उपन्यास की ऐतिहासिकता				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त तत्कालीन पाखण्ड का पर्दाफाश				
	ईकाई-३	'चित्रलेखा' उपन्यास में युग-चेतना				
		'चित्रलेखा' उपन्यास के गौण-पात्र				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त मिथकीयता				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में ध्वनित दार्शनिकता				
	ईकाई-४	'चित्रलेखा' उपन्यास में नारी-चेतना				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में धार्मिक-सामाजिक परिवेश				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त जीवन-दर्शन				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में नारी-मनोविज्ञान				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'चित्रलेखा' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'चित्रलेखा' उपन्यास का उद्देश्य – 'चित्रलेखा' उपन्यास की संवाद-योजना – 'चित्रलेखा' उपन्यास की भाषा-शैली – 'चित्रलेखा' उपन्यास में सांस्कृतिक चेतना –'चित्रलेखा' उपन्यास में पारिवारिक चित्रण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : चित्रलेखा
लेखक : भगवतीचरण वर्मा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. 'चित्रलेखा और सिनेमाई रूपान्तरण समस्याएँ', जवरीमल्ल पारख
२. पाखंड का पर्दाफाश करती चित्रलेखा, विजय राजबली माथुर
३. उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा, ब्रजनारायण सिंह
४. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास और युग-चेतना, जवाहरलाल सिंह
५. भगवतीचरण वर्मा का गद्य-साहित्य, डॉ. करूण उमरे
४. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में नारी-चेतना, डॉ. नीता रत्नेश
५. हिन्दी उपन्यासों में मध्यवर्ग, मंजुला सिंह,
६. हिन्दी उपन्यासों में पारिवारिक चित्रण, महेन्द्रकुमार जैनं
७. हिन्दी उपन्यास में चरित्र-चित्रण-रणवीर रांग्रा
८. नारी विद्रोह और भारतीय मंच, आशा रानी व्होरां
९. हिन्दी उपन्यास में पारिवारिक विमर्श, डॉ. उषा मंत्री
१०. महासमरोतर हिन्दी उपन्यासों में जीवन-दर्शन, डॉ. कलावती प्रकाश
११. हिन्दी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना, डॉ. सुरेश सिन्हा
१२. हिन्दी उपन्यासों में नायिका का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, डॉ. विमल सहस्त्रबुद्धे
१३. भारतीय नारी दशा और दिशा, आशा रानी व्होरा
१४. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन, डॉ. गणेशन
१५. हिन्दी उपन्यास, डॉ. सुषमा धवन
१६. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास, डॉ. बेचन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-०५)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०२	०१	०३	०५	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण – २	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- ➢ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम की कविताओं को पढ़कर राष्ट्रप्रेम की ओर प्रेरीत हों ।
- ➢ छात्रगण धर्म, जाति, संप्रदाय भाषा क्षेत्र की संकीर्णता से उपर उठकर मानव बंधुत्व की भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- ➢ छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम की कविता पढ़कर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना पैदा हो ।
- ➢ छात्रों में अपनी मातृभूमि के प्रति ममत्व पैदा होगा ।
- ➢ छात्रों में 'स्व' से उपर उठकर राष्ट्र तथा देश की स्वतंत्रता और सम्पन्नता का भाव पैदा होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताओं में व्यक्त राष्ट्रप्रेम का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मातृभूमि' कविता का मूल्यांकन				
		'मातृभूमि' कविता में व्यक्त भारत की प्राकृतिक सुषमा				
		'भारत माता का मंदिर यह' कविता का भावार्थ				
	ईकाई-२	रामधारीसिंह 'दिनकर' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'हिमालय के प्रति' काव्य का भावार्थ				
		'हिमालय के प्रति' काव्य में व्यक्त पौराणिक चेतना				
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में व्यक्त जन-चेतना				
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में व्यक्त राजनैतिक चेतना				
	ईकाई-३	सुभद्राकुमारी चौहाण : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'झाँसी की रानी' कविता का भावार्थ				
		'झाँसी की रानी' कविता में व्यक्त नारी-चेतना				
		'जलियाँवाला बाग में बसंत' कविता में व्यक्त राष्ट्र-प्रेम				
		'जलियाँवाला बाग में बसंत' कविता में व्यक्त अत्यचारों की बर्बरता				
	ईकाई-४	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'विप्लव गायन' काव्य का भावार्थ				
		'विप्लव गायन' कविता में निरूपित राष्ट्रीय जागरण स्वर				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिन्दुस्तान हमारा है' काव्य का मूल्यांकन				
		'हिन्दुस्तान हमारा है' काव्य में व्यक्त राष्ट्रप्रेम				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप – 'मातृभूमि' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'भारतमाता का मंदिर यह' काव्य का उद्देश्य – 'हिमालय के प्रति' काव्य का संदेश – 'सिंहासन खाली करो' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'झांसी की रानी' काव्य में व्यक्त मध्यवर्ती विचार – 'जलियाँवाला बाग' काव्य का उद्देश्य – 'विप्लव गायन' काव्य में कवि को संदेश – 'हिन्दुस्तान हमारा है' में व्यक्त भारत की महिमा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्रकाशक : शान्ति प्रकाशन, १७८०, सेक्टर–१, दिल्ली बाई–पास, रोहतक–१२४००१(हरियाणा) ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. काव्य–चिंतन : डॉ. नगेन्द्र – नवभारती प्रकाशन, मेरठ
२. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि माखनलाल चतुर्वेदी : सं. हरिकृष्ण 'प्रेमी' – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
३. वीर काव्य : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती भण्डार, इलाहाबाद
४. भारतेन्दु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. अरविन्दकुमार देसाई – सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
५. कवि धर्म : डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
६. माखनलाल चतुर्वेदी : डॉ. प्रभाकर माचवे – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
७. दिनकर का व्यक्तित्व : डॉ. एस. प्रमीला – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
८. पथ के साथी : महादेवी वर्मा – भारती भंडार, इलाहाबाद
९. साहित्यिक निबंध : दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१०. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
११. माखनलाल चतुर्वेदी : एक यात्रा–पुरुष, सं. श्रीकान्त जोशी – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
१३. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एस. पी. शर्मा
१४. राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य, सं. योगेन्द्र गोस्वामी – अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, न्यास, नई दिल्ली
१५. संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि रामधारीसिंह दिनकर : सं. श्री मन्मथनाथ गुप्त – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. वीर काव्य : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती भण्डार, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-६)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का समस्यामूलक उपन्यास : चित्रलेखा							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०३	०६	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण – २	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से छात्रों में मानवीय गुणों की उत्कृष्टता प्रस्थापित करना ।
- छात्रों को 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से कर्म और भोग का पारस्परिक संबंध समझाना ।
- छात्रों को समयानुसार मानवीय भावनाओं के बदलाव को समझाना ।
- छात्रों को पाप और पुण्य की तात्त्विक भेद-रेखा समझाना ।
- आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को मानवीय जीवन की क्षण-भंगुरता को समझाना ।
- 'मनुष्य परिस्थितियों का दास होता है'- आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को गहराई से समझाना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भगवतीचरण वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास : उद्भव एवं विकास				
		भगवतीचरण वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'चित्रलेखा' उपन्यास का कथानक				
	ईकाई-२	योगीकुमार गिरि का चरित्र-चित्रण				
		उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'चित्रलेखा' का मूल्यांकन				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त पाप-पुण्य की समीक्षा				
		'चित्रलेखा' उपन्यास की ऐतिहासिकता				
	ईकाई-३	'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त तत्कालीन पाखण्ड का पर्दाफाश				
		'चित्रलेखा' उपन्यास का युग-चेतना				
		'चित्रलेखा' उपन्यास के गौण-पात्र				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त मिथकीयता				
	ईकाई-४	'चित्रलेखा' उपन्यास में ध्वनित दार्शनिकता				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में नारी-चेतना				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में धार्मिक-सामाजिक परिवेश				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त जीवन-दर्शन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'चित्रलेखा' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'चित्रलेखा' उपन्यास का उद्देश्य – 'चित्रलेखा' उपन्यास की संवाद-योजना – 'चित्रलेखा' उपन्यास की भाषा-शैली – 'चित्रलेखा' उपन्यास में सांस्कृतिक चेतना – 'चित्रलेखा' उपन्यास में पारिवारिक चित्रण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : चित्रलेखा
लेखक : भगवतीचरण वर्मा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. 'चित्रलेखा और सिनेमाई रूपान्तरण समस्याएँ', जवरीमल्ल पारख
२. पाखंड का पर्दाफाश करती चित्रलेखा, विजय राजबली माथुर
३. उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा, ब्रजनारायण सिंह
४. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास और युग-चेतना, जवाहरलाल सिंह
५. भगवतीचरण वर्मा का गद्य-साहित्य, डॉ. करूण उमरे
४. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में नारी-चेतना, डॉ. नीता रत्नेश
५. हिन्दी उपन्यासों में मध्यवर्ग, मंजुला सिंह,
६. हिन्दी उपन्यासों में पारिवारिक चित्रण, महेन्द्रकुमार जैनं
७. हिन्दी उपन्यास में चरित्र-चित्रण-रणवीर रांग्रा
८. नारी विद्रोह और भारतीय मंच, आशा रानी व्होरां
९. हिन्दी उपन्यास में पारिवारिक विमर्श, डॉ. उषा मंत्री
१०. महासमरोतर हिन्दी उपन्यासों में जीवन-दर्शन, डॉ. कलावती प्रकाश
११. हिन्दी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना, डॉ. सुरेश सिन्हा
१२. हिन्दी उपन्यासों में नायिका का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, डॉ. विमल सहस्त्रबुद्धे
१३. भारतीय नारी दशा और दिशा, आशा रानी व्होरा
१४. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन, डॉ. गणेशन
१५. हिन्दी उपन्यास, डॉ. सुषमा धवन
१६. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास, डॉ. बेचन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर–०७)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल, भक्तिकाल							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०३	०७	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी साहित्य के इतिहास के विकास क्रम को समझे ।
- छात्रगगण साहित्य के इतिहास से बदलती रचनात्मक प्रक्रिया को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण राष्ट्रीय चेतना में कबीर, जायसी का महत्त्व समझे ।
- छात्र हिन्दी साहित्य के सृजनशीलता के विविध रूपों को जानें ।
- छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से परिवर्तन होती जा रही साहित्यिक प्रवृत्तियों को जानें ।
- छात्रगण ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा के माध्यम से सामाजिक सुधार को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी साहित्य के इतिहास की लेखन परम्परा	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा–निर्धारण एवं नामकरण				
		हिन्दी साहित्य का आदिकाल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ				
		आदिकालीन साहित्य : सिद्ध–साहित्य, नाथ–साहित्य, जैन–साहित्य, रासो–साहित्य, रास–साहित्य				
		आदिकालीन संत साहित्य : गद्य–साहित्य एवं स्फुट रचनाएँ				
	ईकाई–२	भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि				
		भक्तिकाल की परिस्थितियाँ				
		भक्तिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		भक्तिकाल सुवर्ण–युग के रूप में				
		भक्तिकालीन साहित्य और साहित्यकार				
	ईकाई–३	निर्गुण शाखा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		ज्ञानाश्रयी शाखा (संत शाखा) की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		ज्ञानश्रयी शाखा (संत शाखा) के प्रमुख कवि				
		कबीर का समाज सुधारक के रूप में मूल्यांकन				
		ज्ञानाश्रयी शाखा (संत शाखा) के गौण कवि				
	ईकाई–४	प्रेमाश्रयी शाखा (सूफी शाखा) की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		प्रेमाश्रयी शाखा (सूफी शाखा) के प्रमुख कवि				
		जायसी और उनका पद्मावत				
		प्रेमाश्रयी शाखा के गौण कवि				
		ज्ञानाश्रयी (संत शाखा) प्रेमाश्रयी (सूफी शाखा) की तुलना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – पृथ्वीराज रासो – पद्मावत की प्रतिकात्मकता – अष्टछाप के कवि – तुलसी का लोकनायकतत्व – अमीर खुसरो – रैदास – विद्यापति – जायसी के पद्मावत में हिन्दु-मुस्लिम एकता – कबीर के राम – मीरांबाई		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : भगवती प्रकाशन, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारणी सभा, काशी
२. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, हजारीप्रसाद द्विवेदी – रामकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. जायसी ग्रंथावली : सं. रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
५. सूफी कवि जायसी का प्रेम-निरूपण : निजामुद्दीन अंसारी – पुस्तक संस्थान, कानपुर
६. हिन्दी साहित्य : परम्परागत विवाद एवं नये समाधान – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त – अटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स
७. पद्मावत का काव्य सौंदर्य : प्रो. शिवसहाय पाठक – हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, मुंबई
८. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
९. हिन्दी साहित्य का अतीत, प्रथम भाग : विश्वनाथप्रसाद मिश्र – वाणी-वितान प्रकाशन, वाराणसी
१०. भक्ति काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर – दि मेकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया, दिल्ली
११. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी-गुजराती काव्य : विविध संदर्भ – डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील, डॉ. आभा रानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१४. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त – भारतेन्दु भवन, चंडीगढ
१६. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. उत्तरी भारत की संत-परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती-भण्डार, प्रयाग
१८. कबीर की भक्ति भावना : विलियम द्वायर – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. कबीर और अखा का समाज-विमर्श : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
२०. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
२१. भारतीय साहित्य का सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. मितल जे. भालोडिया – पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२३. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : धनुषभंग एवं व्याकरण							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०४	०१	०४	००	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण पौराणिक मिथकों का स्वरूप जानें ।
- छात्रगण सीता के पात्र के माध्यम से भारतीय नारी जीवन की मर्यादा को जानें ।
- छात्र सीता के पात्र की विशेषता को जानें ।
- छात्रगण पौराणिक अल्पज्ञात चरित्रों को समझे ।
- छात्रगण भारतीय कृषि-संस्कृति की परम्परा को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी खण्ड काव्य : उद्भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		किशोर काबरा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य का कथानक				
		खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'धनुषभंग' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का मूल्यांकन				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
		'धनुषभंग' काव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-३	'धनुषभंग' खण्डकाव्य में आधुनिक भाव-बोध				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य में निरूपित आधुनिक समस्याएँ				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य में संवाद-योजना				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
	ईकाई-४	प्रेसनोट				
		अनुवाद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य में प्रकृति-चित्रण – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य की भाषा शैली – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का ज्ञान-बोध – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का उद्देश्य – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य में अलंकार एवं छंद-योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : धनुषभंग
संपादक : किशोर काबरा
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक हिन्दी काव्य में नारी भावना : शैल कुमारी – हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहबाद
२. आधुनिक हिन्दी साहित्य में नारी : डॉ. सरला हुआ – साहित्य निकेतन, कानपुर
३. आधुनिक कविता का विकास : समाजिक सांस्कृतिक संदर्भ में : डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल 'तरूण' – यतीन्द्र साहित्य सदन, भीलवाड़ा (राज.)
४. आधुनिक हिन्दी काव्य में रामकथा : डॉ. रामनाथ तिवारी – किताब महल, पटना
५. आधुनिक कृष्ण काव्य में युगबोध : डॉ. परविन्दर कौर – भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी कविता-विकास के आयाम : नीरज ठाकुर – चिन्तन प्रकाशन, राजस्थान
७. 'उत्तर रामचरितम्' और आधुनिक हिन्दी प्रबन्ध काव्य परंपरा : डॉ. कृष्णा गोपाल मिश्र – रचना प्रकाशन, जयपुर
८. कृष्णभक्ति – काव्य : द्वापर : डॉ. सुरेशचन्द्र झा 'किंकर' – संस्कृति प्रकाशन, अहमदावाद
९. खड़ीबोली रामकाव्यों में चित्रित समाज और संस्कृति : डॉ. मनोहर सराफ – विद्या प्रकाशन, कानपुर
१०. खड़ीबोली के रामकाव्य में युग चेतना : डॉ. मोहिनी श्रीवास्तव – राहुल पब्लिशिंग, मेरठ
११. गुजरात की समकालीन हिन्दी कविता : डॉ. अम्बाशंकर नागर – हिन्दी साहित्य, अकादमी
१२. गोस्वामी तुलसीदास : डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – चिन्त प्रकाशन, कानपुर
१३. डॉ. किशोर काबरा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. घनश्याम अग्रवाल – शान्ति प्रकाशन, आसन, रोहतक, हरियाणा
१४. 'धनुष-भंग' : एक अनुशीलन : डॉ. घनश्याम अग्रवाल – दिव्या प्रकाशन, हीरा वाडी, नरोडा रोड, अहमदाबाद
१५. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध : उर्वशी शर्मा – बोहरा प्रकाशन, जयपुर
१६. नवमें दशक की हिन्दी कविता : डॉ. यतीन्द्र तिवारी – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१७. 'नारी-शोषण'-समस्याएँ एवं समाधान : डॉ. राजकुमार – अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१८. भारतीय जनता तथा संस्थाएँ : रवीन्द्रनाथ मुकर्जी
१९. भारतीय नारी अस्मिता और अधिकार : आशारानी व्होरा – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
२०. भारतीय नारी : वर्तमान समस्यायें और भावी समाधान – डॉ. आर. पी. तिवारी एवं डॉ. डी.डी. पी. शुक्ला – ए.पी. एच. पब्लिशींग कोर्पोरेशन, नई दिल्ली
२१. भारतीय नारी अस्मिता की पहचान : डॉ. शुक्ल उमा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२२. भारतीय स्त्री : सांस्कृति संदर्भ : प्रतिभा जैन एवं संगीता शर्मा –
२३. भारतीय समाज में नारी : प्रज्ञा शर्मा – पोईन्टर पब्लिशर्स, जयपुर
२४. भारतीय समाज में नारी : सुनीता जैन, संगीता गोयल – आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, जयपुर
२५. भारतीय संस्कृति में नारी : डॉ. सिंहल लता – परिमल पब्लिशर्स, शक्तिनगर, दिल्ली
२६. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व : सोती वीरेन्द्र चंद्र – राजपाल एन्ड सन्स, दिल्ली
२७. महाभारत कालीन नारी : डॉ. श्रीमती स्कालस्टिका कुजूर – इन्स्टर्न बुक लिंकर्स, न्यू चन्द्रावल, दिल्ली
२८. महाभारत कथाओं पर आधारित हिन्दी काव्य : डॉ. राघवप्रसाद पाण्डेय – साहित्य रत्नालय, कानपुर
२९. महिला एवं विकास : डॉ. राजकुमार – अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३०. मिथकीय संदर्भो में रामचरित : डॉ. सुभद्रा पाटिल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
३१. रामायण का आचार दर्शन : अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
३२. रामायण में नारी : डॉ. अर्चना विश्नोई – परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
३३. रामकाव्यों में नारी : डॉ. विद्या – प्रकाशन संस्थान
३४. वैदिक वाङमय में नारी : डॉ. सुषमा शुक्ला – विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
३५. सीता समाधि : राजेश्वरी अग्रवाल – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३६. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
३७. हिन्दी रामकाव्य में नारी : डॉ. पूर्णिमा केड़िया – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३८. हिन्दी रामकाव्य का स्वरूप और विकास बदलते युगबोध के परिप्रेक्ष्य में : प्रेमचन्द माहेश्वरी – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
३९. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
४०. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
४१. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
४२. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
४३. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
४४. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
४५. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
४६. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०८)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काव्य-वैभव							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	०८	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी कविता के विकासक्रम को जानें ।
- छात्रगण छायावादोत्तर काव्य-प्रवृत्तियों को विस्तार से समझे ।
- छात्र पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता के भाव एवं शिल्प को समझे ।
- छात्रगण छायावादी एवं छायावादोत्तर कविता की प्रवृत्तियों का अंतर समझे ।
- छात्रगण छायावादोत्तर काव्य की रचना-सृजन प्रक्रिया को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हरिवंशराय बच्चन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मधुशाला' काव्य का मूल्यांकन				
		हालावादी काव्य प्रवृत्ति के आधार पर 'मधुशाला' काव्य का मूल्यांकन				
		'जो बीत गई सो बात गई' काव्य का भावार्थ				
	ईकाई-२	अज्ञेय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'नदी के द्वीप' काव्य का मूल्यांकन				
		'नदी के द्वीप' काव्य में व्यक्त अस्तित्ववाद				
		नागार्जुन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
	ईकाई-३	'साँप' काव्य की व्यंग्यात्मकता				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अकाल और उसके बाद' काव्य का मूल्यांकन				
		'अकाल और उसके बाद' काव्य में व्यक्त क्रूर महाजनी सभ्यता				
		'अकाल और उसके बाद' कविता में व्यक्त आधुनिक भारत की सामाजिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था				
	ईकाई-४	धूमिल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'मोचीराम' काव्य का भावार्थ				
		साम्यवादी समाजव्यवस्था के संदर्भ में 'मोचीराम' काव्य का मूल्यांकन				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'रोटी और संसद' काव्य का मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'जो बीत गई सो बात गई' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'प्रेत का बयान' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'मधुशाला' काव्य का शीर्षक – 'साँप' काव्य में व्यक्त नगर की व्यवस्था – 'रोटी और संसद' काव्य में व्यक्त प्रशासन व्यवस्था – 'नदी के द्वीप' काव्य की प्रतिकात्मकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छायावादोत्तर काव्य-वैभव
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी-१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. गजानन माधव मुक्ति बोध और उनका काव्य : डॉ. संजीवसिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. छायावादोत्तर हिन्दी कविता : डॉ. आलोक गुप्त – गुजरात युनिवर्सिटी
३. सर्वेश्वर : मुक्तिबोध और अज्ञेय : डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. समसामयिक हिन्दी साहित्य : उपलब्धियाँ : सं. श्री मन्मथनाथ गुप्त, नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी साहित्य : सच्चिदानन्द वात्स्यायन – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
६. अज्ञेय का काव्य : एक विश्लेषण : डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र – विद्यामंदिर बेंग्लौर – २
७. अज्ञेय : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
८. 'अज्ञेय' कवि : डॉ. ओमप्रकाश अवस्थी – ग्रन्थम्, कानपुर
९. तार सप्तक के कवि : काव्य के शिल्प के मान : डॉ. कृष्णलाल – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१०. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध – रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
११. नयी कविता की पहचान : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
१२. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष – राजकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-१
१३. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१४. दिशान्तर, सं. डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी : अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
१५. क्रांति दर्शी कवि धूमिल : डॉ. वी. कृष्ण – सीता प्रकाशन, हाथरस
१६. नया काव्य : नये मूल्य : ललित शुक्ल – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया, दिल्ली
१७. हिन्दी कविता की प्रगतिशील भूमिका : प्रभाकर क्षोत्रिय – दि मैकमिलन ऑफ इंडिया, दिल्ली
१८. बच्चन : पत्र, यादें, मुलाकातें : सं. डॉ. श्यामसुन्दर घोष – उमेश प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. अज्ञेय एक अध्ययन : डॉ. भोलाभाई पटेल – गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
२०. हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना : पुष्पा भारती – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
२१. आज के लोकप्रिय कवि बच्चन : चन्द्रगुप्त विद्यालंकार – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०९)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का सामाजिक उपन्यास : सारा आकाश							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	०९	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी के सामाजिक यथार्थवादी उपन्यासों का परिचय प्राप्त करवाना ।
- 'सारा आकाश' उपन्यास के पात्रों के माध्यम से छात्रों को भारतीय युवा-वर्ग की कुंठित मानसिकता का परिचय प्राप्त करवाना ।
- ''सारा आकाश' उपन्यास में युवा-वर्ग की विपन्नताओं को छात्रों का समझाना ।
- छात्रों को 'सारा आकाश' उपन्यास के माध्यम से वर्तमान भारतीय मध्यमवर्गीय समाज का परिचय प्राप्त करवाना ।
- वर्तमान भारतीय समाज की मूलभूत सामाजिक समस्याओं को आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को समझाना ।
- व्यक्तिगत प्रेम और सामाजिक प्रेम का अंत:सम्बन्ध स्पष्ट करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	राजेन्द्र यादव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'सारा आकाश' उपन्यास का कथानक				
		'सारा आकाश' उपन्यास की प्रभा				
		'सारा आकाश' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक यथार्थ				
	ईकाई-२	उपन्यासकला के आधार पर 'सारा आकाश' का मूल्यांकन				
		'सारा आकाश' उपन्यास का नायक समर				
		निम्न मध्यवर्ग की वेदना का जीवंत दस्तावेज 'सारा आकाश'				
		'सारा आकाश' उपन्यास में व्यक्त नारी-चेतना				
	ईकाई-३	'सारा आकाश' उपन्यास के गौण पात्र				
		'सारा आकाश' में मानवीय मूल्यों का संक्रमण				
		'सारा आकाश' उपन्यास में स्वातंत्र्योत्तर युवा पीढ़ी की मानसिकता				
		'सारा आकाश' उपन्यास में आर्थिक चेतना				
	ईकाई-४	वर्तमान भौतिकवादी युग और 'सारा आकाश' उपन्यास				
		'सारा आकाश' उपन्यास में स्त्री-पुरुष संबंध				
		'सारा आकाश' उपन्यास का देशकाल				
		मध्यवर्गीय नवयुवकों का अस्तित्व और 'सारा आकाश'				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'सारा आकाश' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'सारा आकाश' उपन्यास का उद्देश्य – 'सारा आकाश' उपन्यास में आर्थिक विपन्नता – 'सारा आकाश' उपन्यास की संयुक्त पारिवारिक व्यवस्था – 'सारा आकाश' उपन्यास का ठाकुर साहब – 'सारा आकाश' उपन्यास में नारी अंतर्द्वन्द्व		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : सारा आकाश
लेखक : राजेन्द्र यादव
प्राप्ति स्थान : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. उपन्यासकार राजेन्द्र यादव – चन्द्रभानु सोनवणे
२. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास मूल्य संक्रमण – डॉ. देवेन्द्रकुमार पानेरी
३. हिन्दी उपन्यास सामाजिक संदर्भ – डॉ. बालकृष्ण गुप्त
४. समकालीन हिन्दी उपन्यास – डॉ. डालीलाल
५. हिन्दी उपन्यास साहित्य की विकास परम्परा में साठोत्तरी उपन्यास : डॉ. पारूकान्त – चिंतन प्रकाशन, कानपुर
६. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान, लिपिक प्रकाशन, दिल्ली
७. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास : अतुलवीर अरोडा, पंजाब पब्लिकेशन, चंदीगढ
८. उपन्यास समीक्षा के नये आयाम : दंगल झाल्टे – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
९. आधुनिक समाज की नारी चेतना : डॉ. सुशील वर्मा – आशा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१०. उत्तरशती का हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. मोहनन – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
११. उपन्यास : स्वरूप तथा शिल्प : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त – अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली
१२. नवम् दशक के उपन्यास : संवेदना और शिल्प – डॉ. कल्पना माणिकचंद व्हसाळे – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
१३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
१७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
१८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
१९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
२१. स्त्री–पुरुषों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–१ (पेपर–७)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी की दलित काव्यधारा : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	०८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	गौण – १	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- संकलित कविताओं के माध्यम से छात्रों को भारतीय दलित समाज एवं साहित्यकारों का विस्तृत परिचय प्राप्त करवाना ।
- हमारे देश में व्याप्त दलित समाज की समस्याओं, उनके सपनों, जरूरतों एवं उनके सरोकारों को दलित साहित्य के माध्यम से छात्रों को समझाना ।
- दलित कविता के माध्यम से दलित समाज की अस्मिता को छात्रों को बताना ।
- भारतीय जातिवादी समाज में दलितों का स्थान संबंधी विचारधारा को छात्रों के सम्मुख रखना ।
- जातिगत समस्या को नस्तनाबूद के लिए विभिन्न विचारों का योगदान बताना ।
- भारतीय संविधान एवं बाबा साहब आम्बेड़कर की विचारधारा को छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करना ।
- हिन्दी काव्य परम्परा में दलित काव्य का स्थान छात्रों को विस्तृत रूप से बतलाना ।
- दलित समाज में व्याप्त परिवर्तनकामी दलित चेतना को छात्रों को समझाना ।
- दलित संघर्ष में दलितों के योगदान को स्पष्ट करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	दलित चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		ओमप्रकाश वाल्मीकि : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'झाडूवाली' कविता में व्यक्त दलित चेतना				
		'तब तुम क्या करोगे' कविता में दलित वैचारिकता				
	ईकाई–२	जयप्रकाश कर्दम : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'वर्णवाद का पहाड़ा' कविता में व्यक्त दलित वर्णवादी वैचारिकता				
		'गूँगा नहीं था मैं' कविता में दलित समाज का आर्तनाद				
		जयप्रकाश कर्दम रचित पाठ्य कविताओं में व्यक्त दलित–चेतना				
	ईकाई–३	मोहनदास नैमिशराय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'एक शव का बयान' कविता का भावार्थ				
		'ईश्वर की मौत' कविता में व्यक्त दलित विमर्श				
		'झाडू और कलम' कविता का भावार्थ				
	ईकाई–४	सुशीला टाकभौरे : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'ओ वाल्मीकि' कविता में दलित मन:स्थिति				
		'सुनो विक्रम' कविता में दलित विमर्श				
		'तुमने उसे कब पहचाना' कविता की वैचारिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'झाड़ूवाली' कविता के शीर्षक की सार्थकता – 'वर्णवाद का पहाड़ा' कविता का उद्देश्य – 'ईश्वर की मौत' कविता में नास्तिकता और दलित – 'ओ वाल्मीकि' कविता का भावार्थ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : लाईब्रेरी बुक हाउस, ५–नारायण, विश्वकर्मा मंदिर के पास, विसत पेट्रोल पंप के पीछे, गांधीनगर हाईवे, साबरमती, अहमदाबाद – ३८०००५ (गुजरात)

संदर्भ ग्रंथ :

१. दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरिनारायण ठाकुर
२. दलित विमर्श के विविध आयाम– डॉ. वीरेन्द्रसिंह यादव
३. इक्कीसवीं सदी का दलित आंदोलन – सं. डॉ. वीरेन्द्रसिंह यादव
४.दलित साहित्य का मूल्यांकन – प्रो. चमनलाल
५. अंबेडकर चिंतन और हिन्दी दलित साहित्य – डॉ. पी. एम. सिंह
६. दसवें दशक के हिन्दी उपन्यासों में दलित चेतना – कृष्णावंती वसाणी
७. दलित साहित्य की भूमिका – हरपालसिंह अरूष
८. दलित साहित्य – डॉ. रामप्रसाद मिश्र
९. दलित विमर्श – डॉ. नरसिंहम् वणकर
१०. अछूत कौन और कैसे – डॉ. भीमराव अंबेडकर
११. हिन्दी मराठी दलित साहित्य : एक मूल्यांकन – डॉ. सुनीता सारवरे
१२. दलित साहित्य – डॉ. जयप्रकाश कर्दम
१३. दलित साहित्य : अवधारणा और स्वरूप – डॉ. जगन्नाथ पंडित
१४. दलित साहित्य और उसकी सीमाएँ – डॉ. जगन्नाथ पंडित
१५. भारतीय दलितों की समस्याए एवं उनका समाधान – डॉ. आर. जी. सिंह
१६. दलित धर्म की अवधारणा और बौद्ध धर्म – कंवल भारती

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-८)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०२	०१	०४	०९	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	गौण – १	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी उपन्यास परम्परा में आँचलिक उपन्यासों के स्थान विषय को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यास के स्वरूप को समझे ।
- छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से भारतीय ग्रामीण जीवन की महत्ता प्रतिपादित होंगी ।
- छात्रगगण ठेठ भारतीय बोली का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण नगरजीवन एवं ग्रामीणजीवन की तुलना करें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यासकारों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भैरवप्रसाद गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'गंगामैया' उपन्यास का कथानाक				
		उपन्यास कला के आधार पर 'गंगामैया' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	आँचलिक उपन्यास के रूप में 'गंगामैया' की समीक्षा				
		'गंगामैया' उपन्यास के चरित्रों का चित्रांकन				
		'गंगामैया' उपन्यास की संवाद योजना				
	ईकाई-३	'गंगामैया' उपन्यास की आँचलिकता				
		'गंगामैया' उपन्यास की भाषा शैली				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त ग्राम-चेतना				
	ईकाई-४	'गंगामैया' उपन्यास निरूपित समस्याएँ				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त जमीनदारी प्रथा				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'गंगामैया' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सांस्कृतिक चेतना – 'गंगामैया' उपन्यास का उद्देश्य – 'गंगामैया' उपन्यास में निरूपित समाज–व्यवस्था – 'गंगामैया' उपन्यास का अन्त – 'गंगामैया' उपन्यास के गौण पात्र		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : गंगामैया
संपादक : भैरवप्रसाद गुप्त
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. नागार्जुन और थामस हार्डी के आँचलिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. राखी बालगोपाल
२. हिंदी आँचलिकता का अभ्युदय और रेणु के उपन्यास : डॉ. हरिशंकर दुबे
३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में चित्रित दलित जीवन : डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी
४. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में पुरुष : डॉ. संध्या मेरिया
५. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन : डॉ. भरत सगरे
६. आठवें दशक के आँचलिक उपन्यास : डॉ. अनिल सांलुखे – विकास प्रकाशन, कानपुर–१२
७. द्वितीय महायुद्धेत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
८. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर – पुर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
९. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. शशिभूषण सिंहल – विनोद पुस्त्क मन्दिर, आगा
११. आँचलिक और आधुनिक : रघुवीर चौधरी – रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद
१२. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास : सं. रामजी तीवारी – परिद्दश्य प्रकाशन, मुंबई
१३. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ – गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा
१४. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य : दुर्गेश नन्दिनी – क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
१५. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र – गिरनार प्रकाशन, महेसाणा
१६. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
१७. हिन्दी प्रभुख गद्यकार और उनका गद्य साहित्य : ढॉ. मिलत जे. भालोडिया – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–२ (पेपर–७)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी की दलित काव्यधारा : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	०८	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	गौण – २	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- संकलित कविताओं के माध्यम से छात्रों को भारतीय दलित समाज एवं साहित्यकारों का विस्तृत परिचय प्राप्त करना ।
- हमारे देश में व्याप्त दलित समाज की समस्याओं, उनके सपनों, जरूरतों एवं उनके सरोकारों को दलित साहित्य के माध्यम से छात्रों को समझाना ।
- दलित कविता के माध्यम से दलित समाज की अस्मिता को छात्रों को बताना ।
- भारतीय जातिवादी समाज में दलितों का स्थान संबंधी विचारधारा को छात्रों के सम्मुख रखना ।
- जातिगत समस्या को नस्तनाबूद के लिए विभिन्न विचारों का योगदान बताना ।
- भारतीय संविधान एवं बाबा साहब आम्बेड़कर की विचारधारा को छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करना ।
- हिन्दी काव्य परम्परा में दलित काव्य का स्थान छात्रों को विस्तृत रूप से बतलाना ।
- दलित समाज में व्याप्त परिवर्तनकामी दलित चेतना को छात्रों को समझाना ।
- दलित संघर्ष में दलितों के योगदान को स्पष्ट करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	दलित चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		ओमप्रकाश वाल्मीकि : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'झाडूवाली' कविता में व्यक्त दलित चेतना				
		'तब तुम क्या करोग' कविता में दलिता वैचारिकता				
	ईकाई–२	जयप्रकाश कर्दम : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'वर्णवाद का पहाड़ा' कविता में व्यक्त दलित वर्णवादी वैचारिकता				
		'गूँगा नहीं था मैं' कविता में दलित समाज का आंतर्नाद				
		जयप्रकाश कर्दम रचित पाठ्य कविताओं में व्यक्त दलित–चेतना				
	ईकाई–३	मोहनदास नैमिशराय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'एक शव का बयान' कविता का भावार्थ				
		'ईश्वर की मौत' कविता में व्यक्त दलित विमर्श				
		'झाडू और कलम' कविता का भावार्थ				
	ईकाई–४	सुशीला टाकमौरे : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'ओ वाल्मीकि' कविता में दलित मनःस्थिति				
		'सुनो विक्रम' कविता में दलित विमर्श				
		'तुमने उसे कब पहचाना' कविता की वैचारिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'झाड़ूवाली' कविता के शीर्षक की सार्थकता – 'वर्णवाद का पहाड़ा' कविता का उद्देश्य – 'ईश्वर की मौत' कविता में नास्तिकता और दलित – 'ओ वाल्मीकि' कविता का भावार्थ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : लाईब्रेरी बुक हाउस, ५–नारायण, विश्वकर्मा मंदिर के पास, विसत पेट्रोल पंप के पीछे, गांधीनगर हाईवे, साबरमती, अहमदाबाद – ३८०००५ (गुजरात)

संदर्भ ग्रंथ :

१. दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरिनारायण ठाकुर
२. दलित विमर्श के विविध आयाम– डॉ. वीरेन्द्रसिंह यादव
३. इक्कीसवीं सदी का दलित आंदोलन – सं. डॉ. वीरेन्द्रसिंह यादव
४.दलित साहित्य का मूल्यांकन – प्रो. चमनलाल
५. अंबेडकर चिंतना और हिन्दी दलित साहित्य – डॉ. पी. एम. सिंह
६. दसवें दशक के हिन्दी उपन्यासों में दलित चेतना – कृष्णावंती वसाणी
७. दलित साहित्य की भूमिका – हरपालसिंह अरूष
८. दलित साहित्य – डॉ. रामप्रसाद मिश्र
९. दलित विमर्श – डॉ. नरसिंहम् वणकर
१०. अछूत कौन और कैसे – डॉ. भीमराव अंबेडकर
११. हिन्दी मराठी दलित साहित्य : एक मूल्यांकन – डॉ. सुनीता सारवरे
१२. दलित साहित्य – डॉ. जयप्रकाश कर्दम
१३. दलित साहित्य : अवधारणा और स्वरूप – डॉ. जगन्नाथ पंडित
१४. दलित साहित्य और उसकी सीमाएँ – डॉ. जगन्नाथ पंडित
१५. भारतीय दलितों की समस्याए एवं उनका समाधान – डॉ. आर. जी. सिंह
१६. दलित धर्म की अवधारणा और बौद्ध धर्म – कंवल भारती

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–२ (पेपर–८)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०२	०१	०४	०९	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	गौण – २	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी उपन्यास परम्परा में आँचलिक उपन्यासों के स्थान विषय को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यास के स्वरूप को समझे ।
- छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से भारतीय ग्रामीण जीवन की महत्ता प्रतिपादित होंगी ।
- छात्रगगण ठेठ भारतीय बोली का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण नगरजीवन एवं ग्रामीणजीवन की तुलना करें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यासकारों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	भैरवप्रसाद गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'गंगामैया' उपन्यास का कथानाक				
		उपन्यास कला के आधार पर 'गंगामैया' का मूल्यांकन				
	ईकाई–२	आँचलिक उपन्यास के रूप में 'गंगामैया' की समीक्षा				
		'गंगामैया' उपन्यास के चरित्रों का चित्रांकन				
		'गंगामैया' उपन्यास की संवाद योजना				
	ईकाई–३	'गंगामैया' उपन्यास की आँचलिकता				
		'गंगामैया' उपन्यास की भाषा शैली				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त ग्राम–चेतना				
	ईकाई–४	'गंगामैया' उपन्यास निरूपित समस्याएँ				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त जमीनदारी प्रथा				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'गंगामैया' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'गंगामैया' उपन्यास का उद्देश्य – 'गंगामैया' उपन्यास का अन्त – 'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सांस्कृतिक चेतना – 'गंगामैया' उपन्यास में निरूपित समाज–व्यवस्था – 'गंगामैया' उपन्यास के गौण पात्र		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : गंगामैया
संपादक : भैरवप्रसाद गुप्त
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. नागार्जुन और थामस हार्डी के आँचलिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. राखी बालगोपाल
२. हिंदी आँचलिकता का अभ्युदय और रेणु के उपन्यास : डॉ. हरिशंकर दुबे
३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में चित्रित दलित जीवन : डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी
४. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में पुरुष : डॉ. संध्या मेरिया
५. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन : डॉ. भरत सगरे
६. आठवें दशक के आँचलिक उपन्यास : डॉ. अनिल सांलुखे – विकास प्रकाशन, कानपुर–१२
७. द्वितीय महायुद्धेत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
८. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर – पुर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
९. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. शशिभूषण सिंहल – विनोद पुस्त्क मन्दिर, आगा
११. आँचलिक और आधुनिक : रघुवीर चौधरी – रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद
१२. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास : सं. रामजी तीवारी – परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
१३. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ – गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा
१४. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य : दुर्गेश नन्दिनी – क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
१५. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र – गिरनार प्रकाशन, महेसाणा
१६. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
१७. हिन्दी प्रभुख गद्यकार और उनका गद्य साहित्य : ढॉ. मिलत जे. भालोडिया – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर–१०)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल, रीतिकाल							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	१०	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भक्ति की विकासवादी दृष्टि को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण तुलसी की मानवतावादी एवं समन्वय दृष्टि को जानें ।
- छात्रगण सूरदास की ग्राम चेतना को समझे ।
- छात्रगण रीतिकालीन साहित्य से परिचित होंगे ।
- छात्रगण रीतिकालीन साहित्य से लौकिक प्रेम और अलौकिक प्रेम का सबंध जानें ।
- छात्रगण रीतिकालीन कवियों की सृजनात्मक प्रतिभा को पहचानें ।
- छात्रगण रीतिकालीन कवियों की राष्ट्रीय भावना से परिचित होंगे ।
- छात्रगण भक्तिकाल एवं रीतिकाल की तुलना करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	सगुण शाखा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि राममार्गी काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ राममार्गी काव्यधारा के प्रमुख कवि तुलसीदास राममार्गी काव्यधारा के गौण कवि तुलसीदास की भक्तिभावना	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
	ईकाई–२	राममार्गी एवं कृष्णमार्गी काव्यधाराकी तुलना कृष्णमार्गी काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृतियाँ कृष्णमार्गी काव्यधारा के प्रमुख कवि सूरदास कृष्णमार्गी काव्यधारा के गौण कवि सूरदास की भक्तिभावना निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा की तुलना				
	ईकाई–३	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रीतिकाल का नामकरण एवं सीमा निर्धारण रीतिकालीन काव्य की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ रीतिकालीन काव्य : रीतिबद्ध, रीतिमुक्त एवं रीति सिद्ध काव्य रीतिकाल के प्रमुख एवं गौण कवि				
	ईकाई–४	रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख कवि घनानंद का परिचय रीतिबद्ध काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिबद्ध काव्यधारा के प्रमुख केशव का परिचय रीतिसिद्ध काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रमुख कवि बिहारी का परीचय रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की तुलना रीतिकालीन भक्ति काव्य				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रामचंद्रिका – बिहारी सतसई – रीतिकालीन गद्य साहित्य – रसखान – भूषण की राष्ट्रीयता – रीतिकालीन लक्षण-ग्रंथों की परम्परा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा । ★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ.बी.के.कलासवा
प्राप्ति स्थान : वासुकी कृपा ऑफसेट, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरि प्रचारिणी सभा, काशी
३. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
४. मध्यकालीन भक्ति काव्य की धार्मिक पृष्ठभूमि : डॉ. रामनाथ धूरेलाल शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
५. भक्ति-काव्य के पुनर्मूल्यांकन में उपयोगी संदर्भ : डॉ. रामनाथ शर्मा – महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा
६. हिन्दी के काव्यकार : दमोदरदास गुप्त एवं आदित्येश्वर कौशिक – आर्गस पब्लिशींग कंपनी, नयी दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य का अतीत (प्रथम भाग – आदिकाल, भक्तिकाल) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – वाणी-विज्ञान प्रकाशन, वाराणसी
८. हिन्दी साहित्य का अतीत (दूसरा भाग – शृंगार काल) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – वाणी-विज्ञान प्रकाशन, वाराणसी
९. बिहारी और उनका साहित्य, डॉ. हरवंश लाल शर्मा – भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ
१०. मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचार पक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन : डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल – आस्था प्रकाशन, दिल्ली
११. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१२. मीराँबाई और उनकी पदावली : देशराजसिंह भाटी – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१३. बिहारी-सतसई : सं. श्री लक्ष्मीनिधि चतुर्वेदी – भारतवासी प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. रसखान का काव्य : चन्द्रशेखर पांडे – सुलभ साहित्य-माला
१५. बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास – 'रत्नाकर', तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
१६. हिन्दी स्वच्छन्दावाती काव्य : डॉ. प्रेमशंकर – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, इलाहाबाद
१७. हमारे मुस्लिम संत कवि : कृ. गो. वानखेडे गुरुजी – प्रकाशन विभाग, दिल्ली
१८. कविताकली : तुलसीदास – अनु. इन्द्रदेवनारायण – गीता प्रेस गोरखपुर
१९. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – इलाहाबाद
२०. भारतीय साहित्य का सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. मितल जे. भालोडिया – पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२१. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
२२. स्वामिनारायण संप्रदाय के प्रमुख अष्टकवियों के काव्यों में कृष्णभक्ति एवं 'प्रकीर्णम्' – डॉ. एच. टी. ठक्कर, विद्याविवेक प्रकाशन, राजकोट
२३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

Accredited Grade 'A' by NAAC
[CGPA 3.05 – Third Cycle]

कला–संकाय

हिन्दी पाठ्यक्रम

(जून, २०१९ से अमलीकृत)

- पंचम् एवं छष्ठ सत्र अनिवार्य हिन्दी
- पंचम् एवं छष्ठ सत्र मुख्य हिन्दी

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति		अनिवार्य मुख्य गौण–१ गौण–२								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	पंचम्	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : निर्मला एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०४	०१	०५	००	०१
२	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–११)	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	११	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	११	०१
३	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१२)	साहित्य सिद्धांत – १	१२	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१२	०१
४	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१३)	हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास	१३	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०१
				अथवा														
५	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१३)	भाषा शिक्षण – १	१३	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०२
६	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१४)	आधुनिक हिन्दी नाटक : अंधेर नगरी, रक्षाबंधन	१४	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०१
				अथवा														
७	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१४)	हिन्दी के चरित्र प्रधान नाटक : शिवाजी, ध्रुवस्वामिनी	१४	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०२
८	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१५)	प्राचीन हिन्दी काव्य – १ : विद्यापति पदावली : परमाल रासो	१५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०१
				अथवा														
९	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१५)	प्राचीन हिन्दी काव्य – २ बेलि क्रिसन रूकमणी री, ढोला मारू रा दूहा	१५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०२
१०	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१६)	आधुनिक हिन्दी निबंध साहित्य : निबंध मंजूषा	१६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०१
				अथवा														
११	स्नातक	पंचम्	मुख्य (पेपर–१६)	पर्यावरण एवं प्रदूषण	१६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०२
१२	स्नातक	षष्ठ	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी काव्य : रश्मिरथी एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०४	०१	०६	००	०१
१३	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर–१७)	हिन्दी साहित्य का इतिहास : विविध विधाओं का उद्‌भव एवं विकास	१७	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१७	०१
१४	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर–१८)	साहित्य सिद्धांत – २	१८	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१८	०१

१५	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-१९)	हिन्दी भाषा का व्याकरण	१९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०१
अथवा																		
१६	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-१९)	भाषा शिक्षण – २	१९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०२
१७	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२०)	आधुनिक हिन्दी नाटक : कबीरा खड़ा बजार में, अंधायुग	२०	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०१
अथवा																		
१८	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२०)	हिन्दी के चरित्र प्रधान नाटक : चन्द्रगुप्त, अशोक	२०	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०२
१९	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२१)	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग १ : कबीर, मीरांबाई की पदावली	२१	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०१
अथवा																		
२०	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२१)	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग २ : विनय पत्रिका, पद्मावतीसार	२१	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०२
२१	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२२)	हिन्दी अन्य गद्य विधाएँ : पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ	२२	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०१
अथवा																		
२२	स्नातक	षष्ठ	मुख्य (पेपर-२२)	भारतीय संविधान : राजनीति एवं कानून	२२	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०२

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : निर्मला एवं व्याकरण							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०४	०१	०५	००	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण हिन्दी के उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानें ।
- छात्रगण प्रेमचंद की कलासृजन प्रतिभा का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम कृति के माध्यम से बाह्याडम्बर-वृति को त्याग करें ।
- 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु से छात्रों में 'कर्म ही सर्वश्रेष्ठ है' सिद्धांत स्थापित होगा ।
- छात्रगण 'सत्यमेव जयते' सूत्र की प्रासंगिकता समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'निर्मला' की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'निर्मला' का मूल्यांकन				
		'निर्मला' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन				
		'निर्मला' उपन्यास की संवाद-योजना				
	ईकाई-२	'निर्मला' उपन्यास का परिवेश				
		'निर्मला' समस्यामूलक उपन्यास के रूप में मूल्याकंन				
		'निर्मला' उपन्यास के गौण पात्र				
		'निर्मला' उपन्यास में आदर्श एवं यथार्थ का वर्णन				
		'निर्मला' उपन्यास की गौण कथाओं का मूल्यांकन				
	ईकाई-३	'निर्मला' की उपन्यास में व्यक्त स्त्री पुरुष सबंध				
		'निर्मला' उपन्यास में व्यक्त पात्रों की मन:स्थिति				
		'निर्मला' उपन्यास में निरूपित सामाजिक व्यवस्था				
		'निर्मला' उपन्यास में निरूपित महाजनी सभ्यता				
		'निर्मला' उपन्यास की प्रासंगिकता				
	ईकाई-४	व्यावसायिक पत्र				
		अर्थ विस्तार				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'निर्मला' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'निर्मला' उपन्यास का प्रारंभ – 'निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य – 'निर्मला' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न भ्रष्टाचार – 'निर्मला' उपन्यास का अन्त – निर्मला		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : निर्मला
संपादक : प्रेमचंद
प्राप्ति स्थान :

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रेमचंदयुगीन भारतीय समाज : डॉ. इन्द्रमोहन सिन्हा – बिहारी हिन्दीग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना – ३
२. प्रेमचंद एक विवेचन : डॉ. इन्द्रमोहन सिन्हा – राजकमल प्रकाशन, जैन बाजार, दिल्ली
३. प्रेमचंद का कथा संसार : डॉ. नरेन्द्रमोहन – सरस्वती विहार, जी. टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली–३२
४. प्रेमचंद जीवनकला और कृतित्व : हंसराज रहबर – रामलालपुरी संचालक आत्माराम एण्ड सन्स ,रमीशी गेट, दिल्ली – ६
५. प्रेमचंद के उपन्यासों में नायक की परिकल्पना : डॉ. प्रतिभा कोटक – बालवाटिका मणिनगर, अहमदाबाद – ८
६. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में पुरुषणपात्र : दुर्गेशनंदीनी प्रसाद – गीता प्रकाशन, हैदराबाद
७. हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
८. हिन्दी उपन्यास में कथाशिल्प का विकास : डॉ. प्रतापनारायण टंडन – हिन्दी साहित्य भंडार, गंगाप्रसाद रोड, लखनउ
९. हिन्दी उपन्यास परंपरा और प्रयोग : बिन्धेश्वरीप्रसाद मिश्र – अमर प्रकाशन, पटना – ६
१०. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
११. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१३. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१४. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१५. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१६. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१७. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	११							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	११	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण आधुनिक काल की पुन: जागरण मन:स्थिति को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण द्विवेदी युगीन सुधारवादी आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र छायावाद के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण राष्ट्रीय काव्यधारा का पठन करके एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्र प्रयोगवादी कविता के माध्यम से जन-साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्रगण प्रयोगवादी कविता के माध्यम से वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक है' संदेश को सार्थक करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		आधुनिक काल की साहित्यिक प्रवृतियाँ				
		आधुनिक काल का नामकरण				
		आधुनिक काल-काल सीमा निर्धारण एवं उपविभाजन की समस्या				
		आधुनिक काल 'गद्य काल' के रूप में				
	ईकाई-२	भारतेन्दु युग (पुन:जागरण काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
		भारतेन्दु युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ				
		द्विवेदी युग (जागरण, सुधार काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
		द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ				
		छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ				
	ईकाई-३	छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ				
		हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ				
		हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		हिन्दी की हालावादी काव्यधारा – प्रमुख कवि की रचनाएँ				
		हिन्दी की हालावादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृतियाँ				
	ईकाई-४	प्रगतिवाद : प्रमुखकवि एवं उनकी रचनाएँ				
		प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		प्रयोगवादी काव्यधारा : प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ				
		प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		नई कविता के प्रमुख कवि, उनकी रचनाएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – साठोत्तरी हिन्दी कविता – खड़ी बोली गद्य निर्माता – रहस्यवाद – हिन्दी गीति काव्य – द्विवेदी युगीन प्रबन्ध काव्य – रहस्यवाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : वासुकि कृपा ओफसेट, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (काव्य खण्ड), विश्वम्भर 'मानव', लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
२. प्रगतिवादी काव्य साहित्य : डॉ. कृष्णलाल 'हंस' मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना, पुष्पा भारती – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी काव्य, डॉ. भगीरथ मिश्र – डॉ. बलभद्र तिवारी – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
७. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
९. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्ति बोध – राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
११. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : राजकमलराय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१३. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
१४. कवि धर्म, डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठापन, नयी दिल्ली
१५. साठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान : रत्नाकुमार पाण्डेय – अनंग प्रकाशन, दिल्ली
१६. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१७. प्रमुख खंड काव्यों में आधुनिकता बोध : डॉ. आलोक मिश्र – विकास प्रकाशन, कानपुर
१८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१९. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अबतक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१२							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्य सिद्धांत – १							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१२	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य–अंगों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों को जानें ।
- छात्रों में काव्य–रूपों की जानकारी से साहित्यिक रागात्मक चेतना परिष्कार होगी ।
- छात्रगण साहित्य–स्वरूपों की आपसी तुलना करें ।
- छात्रों में साहित्यिक स्वरूपों की जानकारी से सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	साहित्य : परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		साहित्य के विभिन्न तत्त्व				
		साहित्य और समाज				
		साहित्य और विज्ञान				
	ईकाई–२	साहित्य और शैली				
		काव्य लक्षण				
		काव्य हेतू				
		काव्य प्रयोजन				
	ईकाई–३	काव्य के प्रकार				
		शब्द शक्ति				
		विभिन्न काव्य संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय				
	ईकाई–४	छंद				
		मात्रिक : शिखरिणी, इन्द्रव्रजा, मन्दाक्रान्ता, वसंततिलका				
		अलंकार : शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति अर्थालंकार : उपमा, रूपक, संदेह, अतिशयोक्ति				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – काव्यगुण – साधारणीकरण – श्रव्य काव्य – महाकाव्य – काव्य दोष – दृश्य काव्य – प्रबंध काव्य – खण्डकाव्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य-विवेचन : क्षेमचन्द्र, 'सुमन', योगेन्द्र कुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
२. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
३. काव्य गुणों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. शोभाकान्त मिश्र – बिहारी हिन्दी ग्रंथ, अकादमी, पटना
४. काव्यांगिनी : प्रेम प्रकाश गौतम – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. काव्य तत्व–विमर्श : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
६. काव्य–मनीषा : डॉ. भगीरथ मिश्र – हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
७. साहित्यकार की सामाजिक चेतना : डॉ. शैलेश के. मेहता – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
८. अवगाहन : डॉ. गिरीशचन्द्र जे. त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
९. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. साहित्य का श्रेय और प्रेय : जैनेन्द्रकुमार – पूर्वोदय प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. कविता के नए प्रतिमान : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व : श्री नरेश मेहता – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
१३. विद्यादर्श : सं. डॉ. कपील त्रिवेदी : डॉ. बी. जे. पटेल – श्रीमती जे. सी. धानक महाविद्यालय, बगसरा
१४. भारतीय काव्य–शास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल – डॉ. जगदीश शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१५. साहित्यिक निबंध : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. बृहत् भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : डॉ. सुरेश अग्रवाल – डॉ. जगदीश शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. कृष्णदेव शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१८. साहित्य के सिद्धांत : डॉ. कैलाश उपाध्याय – साधना प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१३								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र हिन्दी भाषा की व्युत्पत्ति के बारे में जानें।
- छात्रगण संसार की भाषाओं का वर्गीकरण विस्तार से समझें।
- छात्रगण राजभाषा के संसदीय अनुच्छेद को विस्तार से जानें।
- छात्रगण 'हिन्दी' शब्द का व्युत्पत्तिपरक इतिहास समझें।
- छात्रगगण अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल के आपसी भेद को समझें।
- छात्रगण खड़ीबोली (राष्ट्रभाषा) के विकास-क्रम को विस्तार से जानें।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भाषा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भाषा और बोली का अंतर				
		भारोपीय परिवार				
	ईकाई-२	**भारतीय आर्य भाषाएँ : उद्भव एवं विकास :** – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक एवं लौकिक – मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ : अपभ्रंश, अवहट्ठ, प्राकृत, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल – आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वर्गीकरण				
	ईकाई-३	हिन्दी भाषा और उसकी बोलियाँ				
		हिन्दी शब्द : नामकरण				
		हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप				
		हिन्दी शब्द भण्डार या परम्परा				
		हिन्दी भाषा का मानकीकरण और उनकी विशेषताएँ				
	ईकाई-४	देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास				
		देवनागरी लिपि-नामकरण और उनकी विशेषताएँ				
		देवनागरी लिपि का मानकीकरण एवं आधुनिकीकरण				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – हिन्दी भाषा क्षेत्र – स्वराघात – प्रयोजनमूलक हिन्दी – खडीबोली हिन्दी – भाषा और विभाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
२. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्री वास्तव
३. हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास : भालोडिया मितल – पेरेडाईझ पब्लिशर्स, सतलंज पथ, तारानगर-ए, झोतवारा, जयपुर
४. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना : डॉ. रामप्रकाश – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. वमलेश कॉति शर्मा – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
७. हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
८. हिन्दी-भाषा : रूप-विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
९. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन – नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. भाषा विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह –जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा : रामछबीला त्रिपाठी – किताब महल, इलाहाबाद-१
१३. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१३ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भाषा शिक्षण – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१३	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भाषा-शिक्षण के परिवर्तन को जानें।
- छात्रगण भाषा शिक्षण की नई विधियों, प्रशासन और विकास के बारे में जानें।
- छात्रगण भाषा संप्रेक्षण की नवीन प्रणालियों को जानें।
- छात्रगगण भाषा शिक्षण के नव्य मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को जानें।
- छात्रगण भाषा की संरचना और उसकी आंतरिक प्रकृति के बारे में जानें।
- छात्रगण में प्रस्तुत पाठ्यक्रम से संप्रेक्षण एवं वाक्चातुर्य का विकास होगा।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	**भाषा, भाषा प्रगोग और भाषिक विकल्पन**	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		मानव भाषा के अभिकल्प अभिलक्षण				
		मानव भाषा और मानवेतर भाषा				
		मानव भाषा और मानवेतर भाषा में अन्तर				
		भाषा शिक्षण के व्यापक संदर्भ				
	ईकाई-२	**भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक एवं शैक्षिक संदर्भ**				
		भाषा, व्यक्ति और समाज				
		सामाजिक स्थिति				
		शैक्षिक स्थिति				
		भाषा नियोजन और शैक्षिक नीति				
		पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम				
	ईकाई-३	**भाषा शिक्षण : प्रयोजन और सिद्धि**				
		भाषा और भाषा प्रयोक्ता				
		मातृभाषा				
		अन्य भाषा : विदेशी भाषा और द्वितीय भाषा				
		द्विभाषिक शिक्षा				
		द्वितीय भाषा और द्विभाषिक शिक्षा का अन्तर				
		भाषा शिक्षण का मनोवैज्ञानिक संदर्भ				
		ज्ञानार्जन की प्रकृति				
		भाषा सर्जन संबंधी विभिन्न दृष्टिकोण				
		साहचर्यवादी दृष्टिकोण – क्लासिक उपधारा, पावलोव और आसगुड का मध्यस्थता सिद्धांत				
		स्किनर का साधनापरक अनुक्रिया सिद्धांत				
		सत्ववादी दृष्टिकोण – चॉम्स्की और लेनेबर्ग के सिद्धांत				
		प्रक्रियापरक हासियें – पिआजे का विकासवाद				
		विभिन्न दृष्टिकोण – तुलनीयता के आधार पर भाषा अजंन और भाषा अभिगम				

	ईकाई-३	**भाषा शिक्षण का व्याकरणिक संदर्भ**				
		भाषा अध्ययन के तीन संदर्भ - सिद्धांत, विवरण और शिक्षण				
		व्याकरण के तीन रूप - सार्वभौम, विवरणात्मक और शैक्षिक				
		सार्वभौम व्याकरण के तीन तथ्य : अंतदृष्टि और दृष्टिकोण, प्रणाली, निरूपक भाषा				
		विवरणात्मक व्याकरण के तीन तथ्य : अनुप्रयोग, विश्लेषणात्मक पद्धति, संदर्भपरकता				
	ईकाई-४	**भाषा शिक्षण : विधि, प्रणाली और प्रणाली तंत्र**				
		भाषा शिक्षण का सांस्कृतिक, साहित्यिक और भाषावैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य				
		भाषा शिक्षण की विधियाँ-प्रत्यक्ष विधि, व्याकरण विधि, अनुवाद विधि, तुलनात्मक विधि, मिश्र विधि				
		भाषा शिक्षण की दो मुख्य धाराएँ - व्याकरण अनुवाद विधि, मौखिक वार्तालाप विधि				
		भाषा शिक्षण विधि की भाषा-वैज्ञानिक और शैक्षिक मान्यताएँ				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) - भाषा-शिक्षण की दृश्य-श्राव्य विधियाँ - शिक्षार्थी का अध्ययन व्याकरण - भाषा मूल्यांकन की संकल्पना - भाषा शिक्षण का लक्ष्य - भाषा शिक्षण की परम्परागत विधि - भाषा-शिक्षण और लिपि		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : भाषा शिक्षण
संपादक : रवीन्द्र श्रीवास्तव
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा विज्ञान : डॉ. डी.डी. शर्मा - पल्लव प्रकाशन, मालीवाड, दिल्ली
२. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. राजमणि शर्मा - वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ. के. डी. सावली - तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
५. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया - भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना
७. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
९. हिन्दी व्याकरण : पं. कामताप्रसाद गुरु - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
१०. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन', योगन्द्रकुमार मलिक - आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
११. रसछन्दालंकार : पं. धर्मनारायण पाण्डेय - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली
१३. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ. भोलानाथ तिवारी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' - चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१४							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी नाटक : अंधेर नगरी, रक्षाबंधन							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्र हिन्दी नाट्य-परम्परा को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण हिन्दी नाटक की विकास प्रक्रिया में भारतेन्दु के योगदान को जानें ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से तत्कालीन राजनैतिक स्थिति को जानें ।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की राष्ट्रीय भावना को जानें ।
- छात्रगगण हिन्दी नाट्य विकास में गीति नाट्य स्थान स्पष्ट करें ।
- छात्रगण धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व के बारे में जानें ।
- छात्रगण महाभारत की दर्दनाक, खौफनाक युद्ध विभिषिका को जानें ।
- छात्रगण 'अन्धायुग' प्रतिकात्मकता को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी नाट्य साहित्य और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र				
		'अन्धेर नगरी' नाटक की कथावस्तु				
		नाट्यकला के आधार पर 'अन्धेर नगरी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'अन्धेर नगरी' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		'अन्धेर नगरी' नाटक की रंग-परीकल्पना				
		'अन्धेर नगरी' नाटक में युग-बोध				
		'अन्धेर नगरी' नाटक में व्यंग्यात्मक				
	ईकाई-३	हरिकृष्ण प्रेमी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'रक्षाबन्धन' नाटक का कथानक				
		नाटक तत्वों के आधार पर 'रक्षाबन्धन' का मूल्यांकन				
		'रक्षाबन्धन' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त राष्ट्रीयता				
	ईकाई-४	'रक्षाबन्धन' नाटक की आधुनिकता				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त समस्याएँ				
		'रक्षाबन्धन' नाटक में व्यक्त सांस्कृतिकता				
		'रक्षाबन्धन' नाटक की सम-सामायिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'अन्धेर नगरी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'रक्षाबन्धन' नाटक की संवाद-योजना – 'रक्षाबन्धन' नाटक की रंगमंचीयता – 'अन्धेर नगरी' नाटक की संवाद–योजना – 'रक्षाबन्धन' नाटक का परिवेश – 'रक्षाबन्धन' नाटक में संकलन–त्रय – 'अन्धेर नगरी' नाटक का उद्देश्य – 'रक्षाबन्धन' नाटक केश शीर्षक की सार्थकता – 'रक्षाबन्धन' नाटक में हिन्दु–मुस्लिम एकता – 'अन्धेर नगरी' नाटक में संकलन–त्रय – 'रक्षाबन्धन' नाटक का उद्देश्य – 'रक्षाबन्धन' नाटक का अन्त		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अन्धेर नगरी
संपादक : भारतेन्दु हरिश्चंन्द्र
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : रक्षाबन्धन
संपादक : हरिकृष्ण प्रेमी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. साठोत्तरी हिन्दी के प्रमुख नाटकों में राजनीतिक व्यंग्य : डॉ. मेरगसिंह यादव – मिन्डाश पब्लिकेशन, उरइ, उत्तरप्रदेश
२. प्रसादोत्तर नाट्य–साहित्य : डॉ. विजय बापट – हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. भारतेन्दु–युगीन नाटक : डॉ. सुशीला धीर – हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानावत, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
६. हिन्दी नाटक और नाटककार : डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल – कु. नीलम मसन्द, पुस्तक संस्थान, कानपुर
७. आधुनिक हिन्दी नाटक : एक यात्रा दशक : नरनारायण राय – भारती भाषा प्रकाशन, दिल्ली
८. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
९. भारतेन्दु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. अरविन्दकुमार देसाई – सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
१०. हिन्दी के रंगमंचीय नाटकों का शिल्प विधान : डॉ. चन्द्रसेन नावाणी – हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद
११. हिन्दी के नाटक शिल्पी : डॉ. शान्ति मलिक – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव : विश्वनाथ मिश्र – लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली
१३. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१४. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सं. ब्रजकुमार मित्तल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सं. रमेश गुप्ता – कमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१४ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी के चरित्र प्रधान नाटक : शिवाजी, ध्रुवस्वामिनी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण शिवाजी के चरित्र के प्रति आकर्षित हो ।
- छात्रगण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नींव को जानें ।
- छात्रों में संघ शक्ति का निर्माण हो ।
- छात्रगण भारतीय गुप्त राजाओं की वंशावली को जानें ।
- छात्रों में राष्ट्रीय भावना परिष्कृत हो ।
- शिवाजी के चरित्र निर्माण के माध्यम से छात्रो में भारतीय आदर्शों का निर्माण हो ।
- छात्रगण शिवाजी के चरित्र से नैतिक एवं स्वस्थ जीवन की प्रतिज्ञा प्राप्त
- छात्रगण चंद्रगुप्त एवं रामगुप्त का संबंध जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी नाटकों का उद्भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		डॉ. रामकुमार वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'शिवाजी' नाटक की कथावस्तु				
		नाट्यकला के आधार पर 'शिवाजी' नाटक का मूल्यांकन				
		'शिवाजी' नाटक के पात्रों का चित्रांकन				
	ईकाई–२	'शिवाजी' नाटक में व्यक्त इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'शिवाजी' नाटक में व्यक्त संवाद–योजना				
		'शिवाजी' नाटक की रंगमंचीयता				
		'शिवाजी' नाटक में व्यक्त राष्ट्रीयता				
		'शिवाजी' नाटक का परिवेश				
	ईकाई–३	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का कथानक				
		नाट्यकला के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' का मूल्यांकन				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के पात्रों का चित्रांकन				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद–योजना				
	ईकाई–४	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की ऐतिहासिकता				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का परिवेश				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में व्यक्त नारी–चेतना				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की रंगमंचीयता				
		'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'शिवाजी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'शिवाजी' नाटक में शिवाजी का अन्तर्द्वन्द्व – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का उद्देश्य – 'शिवाजी' नाटक की भाषा–शैली – 'शिवाजी' नाटक का संकलन–त्रय – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का भाषा–शैली – 'शिवाजी' नाटक में व्यक्त भारतीय–आदर्श – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का संकलन–त्रय – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का अन्त – 'शिवाजी' नाटक का अन्त – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद–योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : शिवाजी
संपादक : डॉ. रामकुमार वर्मा
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पुस्तक : ध्रुवस्वामिनी
संपादक : जयशंकर प्रसाद
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि : रामकुमार वर्मा : डॉ. राधेकृष्ण श्री वास्तव – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. कृष्णलाल, हिन्दी परीषद प्रकाशन, प्रयाग
१. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. आधुनिकता और सर्जनशीलता : रघुवंशी – दी मैकमिलन कंपनी ऑफ इण्डिया लि., दिल्ली
५. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
६. हिन्दी वाङ्मय: बीसवीं शती : सं. डॉ. नगेन्द्र – विनोद पुस्तक मंदीर, आगरा
७. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
९. हिन्दी और गुजराती नाट्य–साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. रघुवीर उपाध्याय – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
१०. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
११. प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य : डॉ. विजय बापट – मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
१२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
१३. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१४. प्रसाद–प्रतिभा : सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदन – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१५. हिंदी–साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१७. हिन्दी साहित्य : रचना से अलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१८. प्रसाद काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिहर प्रसाद गुप्त – भाषा–साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
१९. प्रसाद और स्कन्द गुप्त : आचार्य दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
२०. हिन्दी साहित्य का प्रवृति पर के इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. तीर्थोदक : डॉ. गिरिश त्रिवेदी : अभिनन्दन ग्रंथ – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
२२. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाबराय लक्ष्मी नारायण – अग्रवाल प्रकाशन, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१५							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य – १ : विद्यापति पदावली, परमालरासो (आल्हखण्ड)							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण 'नाथ सम्प्रदाय' की दार्शनिक पृष्ठभूमि को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण 'गोरखनाथ' के जीवनवृत को समझे ।
- छात्रगण गोरखनाथ एवं मत्सेन्द्रनाथ के परस्पर सम्बन्ध को जानें ।
- छात्रगण 'विद्यापति पदावली' के रस सौंदर्य से अभिभूत होंगे ।
- छात्रगण गोरखनाथ के सामाजिक जागृति, निर्गुण तप–साधना एवं योग साधना को विस्तार से जानें ।
- छात्र आदिकालीन साहित्य को विस्तार से जानें
- छात्रगण विद्यापति के काव्य सौंदर्य को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण आदिकालीन भाषा–सौष्ठव को 'विद्यापति पदावली' के माध्यम से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	विद्यापति : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'विद्यापति पदावली' का हिन्दी साहित्य में स्थान				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विद्यापति पदावली' का मूल्यांकन				
		गीतिकाव्य परंपरा और विद्यापति				
	ईकाई–२	मुक्तकाव्य परंपरा और विद्यापति				
		'विद्यापति पदावली' में यौवन, श्रृंगार एवं प्रकृति चित्रण				
		'विद्यापति पदावली' की काव्यगत विशेषताएँ				
		'विद्यापति पदावली' में विरह वर्णन				
		'विद्यापति पदावली' में प्रेम निरूपण				
	ईकाई–३	रासो काव्य परम्परा और 'परमाल रासो'				
		रासो काव्य की साहित्यिक विशेषताएँ				
		जनकवि जगनिक का जीवन–वृत्त एवं रचनाकाल				
	ईकाई–४	परमाल रासो (आल्हखण्ड) का परिचय				
		परमाल रासो (आल्हखण्ड) का वर्ण्य विषय				
		परमाल रासो (आल्हखण्ड) की प्रामाणिकता				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से परमाल रासो (आल्हखण्ड) का मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – भक्त कवि विद्यापति – 'विद्यापति पदावली' की भाषा शैली – विद्यापति की राधा – 'विद्यापति पदावली' की रस योजना – परमाल रासो (आल्हखण्ड) की ऐतिहासिकता – परमाल रासो (आल्हखण्ड) का संदेश – परमाल रासो (आल्हखण्ड) की भाषा–शैली – आल्हा और उदल का चरित्र		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : विद्यापती पदावली
संपादक : रामवृक्ष बेनीपुरी
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पुस्तक : पारमाल रासो (आल्हखण्ड)
संपादक : डॉ. सभापति मिश्र, डॉ. एस. के. मेहता
प्राप्ति स्थान : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. विद्यापति : डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. विद्यापति की काव्य–साधना : देशराजसिंह भाटी, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
३. विद्यापति : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
३. विद्यापति पदावली : सं. डॉ. सुरेन्द्रनाथ दीक्षित, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन : संपा. डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
६. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
८. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. संत–साहित्य के प्रेरणा–स्रोत : परशुराम चतुर्वेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. निर्गुण साहित्य : सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. मोतीसिंह – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
११. निर्गुण संतो के स्वप्न : डेविड एन. लोरेंजन – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. सार सार को गहि रहै, थोथा देई उडाय : डॉ. शैलेश के. मेहता – बालाजी फेण्ड्स ग्रुप, राजकोट
१३. कबीर का काव्य और नाडी–तंत्र : डॉ. शैलेश के. मेहता –वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१४. वीर काव्य सं. : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती–भण्डार, इलाहाबाद
१५. कीर्तिलता और अवहट्ठ भाषा : डॉ. शिवप्रसाद सिंह – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१५ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य – २ : बेलि क्रिसन रूकमणी री, ढोला मारू रा दूहा							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१५	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	३०	७०	–	१००	स्नातक

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र आदिकालीन काव्य-स्वरूप से परिचित होंगे ।
- छात्रगण लोककथा का स्वरूप एवं विकास समझें ।
- छात्रगण ढोला की शौर्यता, वीरता, धीरता एवं विवेक को समझे ।
- छात्रगण भारतीय परम्परा में कृष्ण-प्रेम से संबंधित काव्यों का ज्ञान प्राप्त करें ।
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र भारतीय लोककथाओं में व्यक्त मानवीय संवेदना को जानें ।
- छात्रगण राजस्थान के लोक-साहित्य से परिचित होंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	पृथ्वीराज : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की समकालीन परिस्थितियाँ				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का मूल्यांकन				
		महाकाव्य के रूप में 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का मूल्यांकन				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का कथानक				
	ईकाई-२	'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की रस-योजना				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की कलात्मकता				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की बहुज्ञता				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की पात्र-योजना				
		'बेलि क्रिसन रूकमणी री' की मिथकीयता				
	ईकाई-३	लोककथा : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप				
		राजस्थानी लोककथाओं का सामान्य परिचय				
		'ढोला मारू रा दूहा' का कथानक				
		प्रेमाख्यान काव्यपरंपरा में 'ढोला मारू रा दूहा' का स्थान				
		'ढोला मारू रा दूहा' में अकालग्रस्तता				
	ईकाई-४	'ढोला मारू रा दूहा' में प्रेम-निरूपण				
		'ढोला मारू रा दूहा' में लोकगीत				
		'ढोला मारू रा दूहा' में विरहानुभूति				
		'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त चरित्रों का चरित्रांकन				
		'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त मानवीय-संवेदना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' में प्रकृति चित्रण – 'ढोला मारू रा दूहा' का परिवेश – 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' का कलापक्ष – 'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त गीत-योजना – 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' में ऋतु वर्णन – 'ढोला मारू रा दूहा' में निरूपित स्वप्न – रूकमणी का स्वास्थ्य सौंदर्य – 'ढोला मारू रा दूहा' में मारवणी का रूप-सौंदर्य – कृष्ण-रूकमणी का दाम्पत्य प्रेम – 'ढोला मारू रा दूहा' में ढोला की वीरता – 'बेलि क्रिसन रूकमणी री' के शीर्षक की सार्थकता – 'ढोला मारू रा दूहा' में व्यक्त राजस्थानी लोक-संस्कृति		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : 'बेलि क्रिसन रूकमणी री'
संपादक : पृथ्वीराज राठोड
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : 'ढोला मारू रा दूहा'
संपादक : डॉ. कृष्णकुमार शर्मा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. रीतिकाल और आधुनिक हिन्दी कविता : डॉ. रमेशकुमार शर्मा – विनोद पुस्त्क मन्दिर, आगरा
३. रसखान के काव्य में प्रेम-तत्व : हरिन्द्रकुमार – नवलोक प्रकाशन, दिल्ली
४. रसखान : चंद्रशेखर पांडे – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. हमारे कवि और लेखक : डॉ. राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
६. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य का अतीत (दूसरा भाग, श्रृंगारकाल) : विश्वनाथप्रसाद मिश्र – वाणी-विज्ञान प्रकाशन, दिल्ली
८. शिवसिंह सहोज : डॉ. किशोरीलाल गुप्त – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
९. डिंगल में वीररस : डॉ. मोतीलाल मेनारिया – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
१०. पृथ्वीराज राठौड : व्यक्तित्व और कृतित्व – प्रो. भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१६								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी निबंध साहित्य : निबंध मंजूषा								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र हिन्दी निबंध का स्वरूप एवं विकास जानें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम के निबंधों का अभिप्राय समझें ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम के निबंधों के माध्यम से लेखक के उपदेश एवं आत्म-व्यंजना को जानें ।
- छात्रगण हिन्दी निबंधकारों की निबंध-सृजन प्रक्रिया को समझें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से संदर्भित छात्रों में निबंध-लेखन प्रतिभा का विकास होगा ।
- छात्रगण निबंधकार के निबंधों के माध्यम से लेखक के विचार, अनुभूति एवं लालित्यपूर्ण शैली को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी निबन्ध : स्वरूप एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'चारू-चरित्र' का निबंध-कला की दृष्टि से मूल्यांकन				
		'घोखा' निबंध में व्यक्त प्रतापनारायण मिश्र की वैचारिकता				
	ईकाई-२	'नालंदा का विश्वविद्यालय' निबंध में व्यक्त शिक्षा-प्रणाली				
		'घुमक्कड धर्म' निबंध में व्यक्त राहुल सांकृत्यायन की वैचारिकता				
		'साहित्य और जीवन' में निरूपित नन्ददुलारे बाजपेयी की आलोचना दृष्टि				
	ईकाई-३	'जनतंत्र का खोखलापन' निबंध का सारांश				
		'पहिला सफेद बाल' में हरिशंकर परसाई की वैचारिकता				
		'मेरा रूमाल खो गया' निबंध का कथ्य एवं शिल्प				
	ईकाई-४	'कछुआ धर्म' निबंध का सारांश				
		'निबंध मंजूषा' निबंध-संग्रह के निबंधों की वैचारिकता				
		'निबंध मंजूषा' निबंध-संग्रह के निबंधों में व्यक्त भारतीय संस्कृति				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'चारू-चरित्र' निबंध का उद्देश्य – 'घोखा' निबंध की भाषा-शैली – 'घुमक्कड धर्म' निबंध का शीर्षक – 'जनतंत्र का खोखलापन' निबंध का उद्देश्य – 'पहिला सफेद बाल' निबंध में व्यक्त व्यंग्यात्मकता – 'कछुआ धर्म' निबंध का शीर्षक		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	**पाठ्य पुस्तक : निबंध मंजूषा** **संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा** **प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद**

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य–सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. हिन्दी ललित निबन्ध : परंपरा एवं प्रयोग : वेदवती राठी – पाठक प्रकाशन, अलीगढ
३. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबन्धकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त – रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
५. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. पी. वासवदत्ता – युगवाणी प्रकाशन, इलाहाबाद
६. साहित्यकार और चिन्तक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
७. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलार वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी
८. प्रेमचन्द के निबन्ध–साहित्य में सामाजिक चेतना : अर्चना जैन – इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
९. हजारीप्रसाद द्विवेदी के सर्जनात्मक साहित्य : डॉ. सुधीर चौहान – शिवालीक प्रकाशन, दिल्ली
१०. हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध और भारतीय संस्कृति के तत्व : डॉ. शैलेश के. मेहता – लायन्स क्लब, धोराजी
११. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के साहित्य में सौंदर्य और प्रेम : डॉ. चन्द्रशेखर मालवीय – ज्ञान प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य : रचना के आलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१३. चिन्तामणी : रामचन्द्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
१४. ठेले पर हिमालय : धर्मवीर भारती – भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. निबंधमाला : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१६ (वैकल्पिक प्रशनपत्र)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पर्यावरण एवं प्रदूषण							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०५	१६	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०५	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण वैश्विक पर्यावरण की समस्या को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण संबंधी भारतीय संवैधानिक अनुच्छेदों को विस्तार से जानें ।
- संबंधित पाठ्यक्रम के छात्र समयानुसार परिवर्तित पर्यावरण संबंधी स्थिति की भयानकता को जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण के स्रोतों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण पर्यावरण की सुरक्षा करें ।
- छात्रगण भौतिक तथा सामाजिक पर्यावरण की जानकारी प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	आधुनिक जीवन एवं पर्यावरण	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		जल प्रदूषण				
		ध्वनि प्रदूषण				
		वायु प्रदूषण				
	ईकाई–२	मृदा प्रदूषण				
		सागर प्रदूषण				
		पर्यावरण रक्षा				
		जन संख्या प्रदूषण				
	ईकाई–३	पर्यावरण प्रदूषण : कानून				
		पर्यावरण प्रदूषण : समस्या				
		पर्यावरण प्रदूषण और हम				
		पर्यावरण प्रदूषण समाधान				
	ईकाई–४	पर्यावरण संरक्षण में विभिन्न अभिकरणों का योगदान				
		पर्यावरण शिक्षा और जनसंचार				
		मानव और पर्यावरण का संबंध				
		भारत में पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रयास				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – पर्यावरण का महत्त्व – मानवीय जीवन में पर्यावरण का महत्त्व – पर्यावरण एवं जनजागृति – औद्योगिकता एवं पर्यावरण – पर्यावरण शिक्षा का महत्त्व – वर्तमान पर्यावरण की समस्याएँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पर्यावरण एवं प्रदूषण
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि : डॉ. विनयकुमार पाठक– प्रयास प्रकाशन, बिलासपुर
२. आधुनिक जीवन और पर्यावरण : दाहोदर शर्मा – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
३. जंगल प्रदूषण : शिवगोपाल मिश्र – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वायु प्रदुषण : ध्वनि प्रदुषण : शिवगोपाल मिश्र : सुनीलदत्त तिवारी : डी. डी. ओझा : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
५. मुद्रा प्रदुषण : सागर प्रदुषण : शिवगोपाल मिश्र : दिनेश मणि : श्यामसुंदर शर्मा : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
६. पर्यावरण और हम : शुकदेव प्रसाद – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
७. १००० पर्यावरण प्रश्नोत्तरी : दिलीप एम. सालवी – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
८. पर्यावरण शिक्षा : हरिश्चंद्र व्यास – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
९. जनसंख्या प्रदुषण और पर्यावरण : हरिश्चंद्र व्यास – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. पर्यावरण शिक्षा : डॉ. उषा सुराना – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
११. पर्यावरण शिक्षा : बिठ्ठल कुमार सनाढ्य – प्रेरणा प्रकाशन, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : रश्मिरथी एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०४	०१	०६	००	१९	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- ➢ छात्रगण महाभारतकालीन घटनाओं का विस्तार से अध्ययन करें ।
- ➢ छात्रगण महाभारत के अल्पज्ञात पात्रों के बारे में जानें ।
- ➢ छात्रगण महाभारत की समाज-व्यवस्था को जानें ।
- ➢ छात्रगण कर्ण के जीवन के बारे में जानें ।
- ➢ छात्रगण कर्ण के वीरता के बारे में जानें ।
- ➢ छात्रगण कहानी एवं निबंध की स्वरूपगत विशेषता के बारे में जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	रामधारिसिंह 'दिनकर' : व्यक्ति एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के पात्रों का चित्रांकन				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रेरणा-स्त्रोत				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में कल्पना एवं इतिहास का समन्वय				
	ईकाई-३	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की अभिव्यंजना-पद्धति				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की आधुनिकता				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
		'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में निरूपित समस्याएँ				
	ईकाई-४	कहानी लेखन				
		निबंध				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में निरूपित प्रकृति चित्रण – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य का उद्देश्य – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में संवाद योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में अलंकार योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में छन्द योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में रस–योजना – कर्ण की दान महिमा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : रश्मिरथी
संपादक : रामधारी सिंह 'दिनकर'
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. 'युगचारण दिनकर' : सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली – प्रथम संस्करण
२. 'दिनकर' : सं. सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
३. 'दिनकर' : पुनर्मूल्यांकन : एक विजेन्द्र सिंह, परिमल प्रकाशन
४. 'दिनकर' : कुछ पनर्विचार : डॉ. शंभुनाथ – जनचेतना प्रकाशन, कलकता
५. 'दिनकर एक सहज पुरुष : शिवसागर मिश्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
६. 'दिनकर साहित्य में व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति' : डॉ. रामारानी सिंह – अमित प्रकाशन, गाजियाबाद
७. 'दिनकर का व्यक्तित्व' : डॉ. सोमूरि प्रमीला – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
८. 'दिनकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व' : सं. जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली
९. 'दिनकर का गद्य साहित्य' : डॉ. प्रेमनाथ उपाध्याय –जिज्ञासा प्रकाशन, पटना
१०. 'भारतीय का सांस्कृतिक इतिहास' : डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
११. 'भारतीय सांस्कृति और कला : वाचस्पति गैरोला, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
१२. 'समय और संस्कृति' : श्यामचरण दूब – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. 'भारतीय संस्कृति' : शिवदत्त ज्ञानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. 'भारतीय संस्कृति की रूपरेखा' : पृथ्वीकुमार अग्रवाल विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
१५. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१६. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१७. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१८. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१९. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
२०. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
२१. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२२. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१७							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : विविध विधाओं का उद्भव एवं विकास							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१७	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण हिन्दी गद्य स्वरूपों से परिचित होंगे ।
- छात्र उपन्यास एवं कहानी का स्वरूपगत भेद समझे ।
- छात्र हिन्दी नाटक एवं रंगमंच की आवश्यकता को जानें ।
- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना ।
- छात्रगण यात्रा साहित्य के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रों की संस्कृतियों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण साक्षात्कार से व्यक्तिगत प्रतिभा का विकास करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी कहानी : उद्भव एवं विकास				
	ईकाई–२	हिन्दी निबंध : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी आलोचना : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी संस्मरण : उद्भव एवं विकास				
	ईकाई–३	हिन्दी रेखाचित्र : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी जीवनी : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी आत्मकथा : उद्भव एवं विकास				
	ईकाई–४	हिन्दी रीपोर्ताज : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी का यात्रा साहित्य : उद्भव एवं विकास				
		हिन्दी की पत्र–पत्रिकाएँ : उद्भव एवं विकास				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – हिन्दी का एकांकी साहित्य – हिन्दी का व्यंग्य साहित्य – हिन्दी का साक्षात्कार साहित्य – हिन्दी का डायरी साहित्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	**पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप : उद्भव एवं विकास** **लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा** **प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर**

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्यिक निबंध : राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभा रानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
३. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारीप्रसा द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे – किताब महल, दिल्ली
५. अमृतलाल नागर के उपन्यास : भारतीयता की पहचान : डॉ. बी. जे. पटेल – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
६. निर्मल वार्मा की कहानियों मे युग–संवेदना : डॉ. परेश पण्डया – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
७. रामदरश मिश्र के उपन्यासों में नारी : डॉ. मनहर गोस्वामी – भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली
८. रामदशर मिश्र के उपन्यासों में गृह–परिवार : डॉ. यशवंत गोस्वामी – नया साहित्य केन्द्र, दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य : रचना से आलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१०. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय : श्री उपेन्द्रनाथ अशक – नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
११. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबंधाकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त – रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. 'प्रसाद के नाटक तथा रंगमंच' : डॉ. सुष्मापाल मल्होत्रा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१३. प्रेमचन्द परिचर्चा : सं. कल्याणमाल सोढा एवं रामनाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिंदी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. यात्रा साहित्य : उद्भव एवं विकास : डॉ. सुरेन्द्र माथुर – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१६. शोध के नये आयाम : डॉ. बी. के. कलासवा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१७. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१८. कहानी नयी पुरानी : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१९. यात्रा साहित्य : डॉ. सुरेश बाबर – जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२२. निर्मल वर्मा के उपन्यासों में संवेदना और शिल्प : डॉ. एन. एम. डोडिया – सुरभि प्रकाशन, नडियाद
२३. संक्षिप्त हिन्दी साहित्य समीक्षा : डॉ. वखतसिंह गोहिल – वासुकी कृपा ओफसेट, राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१८							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्य सिद्धांत – २							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१८	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य स्वरूपों के सैद्धांतिक स्वरूप से परिचित हो ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों का तात्विक विवेचन समझे ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों का प्रकार जानें ।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों की तुलना करें ।
- छात्रगण साहित्य-रूपों की महत्ता समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	नाटक : व्युत्पति के विभिन्न मत	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		नाटक का अर्थ, परिभाषा, तत्व और प्रकार				
		'एकांकी' का अर्थ, परिभाषा, तत्व, प्रकार एकांकी का आधुनिक स्वरूप				
		नाटक एवं एकांकी की तुलना				
	ईकाई-२	'उपन्यास' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, उपन्यास के प्रकार				
		'कहानी' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, कहानी के भेद				
		'उपन्यास' और 'कहानी' में अन्तर, कहानी का आधुनिक स्वरूप				
		'निबंध' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, निबंध के प्रकार				
		'आलोचना' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व, आलोचना के प्रकार				
	ईकाई-३	हिन्दी संस्मरण : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		हिन्दी रेखाचित्र : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		संस्मरण और रेखाचित्र की तुलना				
		जीवनी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
	ईकाई-४	आत्मकथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		जीवनी और आत्म कथा की तुलना				
		रीपोतार्ज : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		यात्रा साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व एवं प्रकार				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रूपक के भेद – साक्षात्कार : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप – व्यंग्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप – डायरी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप
लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी का गद्य पर्व : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
२. निर्मल वर्मा की कहानियों में युग–संवेदना : डॉ. परेश पण्डया – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
३. साहित्य–सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. आलोचना के नए मान : कर्णसिंह चौहान – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि., दिल्ली
६. एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध – भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
७. साहित्यालोचन : प्रो. भारतभूषण 'सरोज' – विनोद पुस्तक मन्दिरा, आगरा
८. साहित्यालोचन : कृष्णदेव शर्मा : विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
९. साहित्यिक निबंध : दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१०. हिन्दी साहित्य कोश–१, पारिभाषिक शब्दावली : सं. धीरेन्द्र वर्मा एवं साथी – ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
११. समीक्षा–शास्त्र, डॉ. दशरथ ओझा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१२. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१३. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१४. आधुनिक आलोचना के प्रतिमान : डॉ. चन्द्रभूषण सिन्हा : डॉ. सुशीला मिश्रा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. अमृतलाल नागर के उपन्यास : भारतीयता की पहचान : डॉ. बी. जे. पटेल 'ब्रिजेश' – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१९								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा का व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- ➢ हिन्दी के छात्रों को हिन्दी व्याकरण की रूक्षता और अनावश्यक नियमबद्धता के कटु अनुभव से बचाना ।
- ➢ अहिन्दी प्रान्तों के हिन्दी छात्रों को हिन्दी की प्रकृति और प्रवृति से परिचित कराना ।
- ➢ छात्रगण हिन्दी भाषा की सरलता, सहजता, सचोटता एवं संक्षिप्तता को जानें ।
- ➢ पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र व्याकरण के माध्यम से अपनी भाषाकीय अशुद्धियों, असंगतियों को दूर करें ।
- ➢ छात्रगण हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त करें ।
- ➢ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम सामग्री को पढ़कर अपनी वाणी की अशुद्धता को दूर करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी वर्णमाला : स्वर, व्यंजन, अल्पप्राण, महाप्राण, अनुस्वार, अनुनासिक, पंचमाक्षर, बलाघात (स्वराघात)	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		शब्द : अर्थ, परिभाषा एवं भेद (मूल शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, विकारी शब्द, अविकारी शब्द)				
		लिंग : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		वचन : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
	ईकाई–२	कारक : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		संज्ञा : परिभाषा एवं भेद				
		सर्वनाम : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		विशेषण : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
	ईकाई–३	क्रिया : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		अव्यय : परिभाषा एवं भेद				
		वाच्य : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		काल : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
	ईकाई–४	वाक्य : अर्थ, परिभाषा, विभाजन, प्रकार एवं महत्व				
		विराम चिह्न : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं महत्व				
		सन्धि : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार				
		समास : अर्थ, परिभाषा एवं भेद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – कृदन्त के भेद – अनेकार्थ शब्द – विलोमार्थी शब्द – वर्तनी – पर्यायवाची शब्द – मुहावरें एवं लोकोक्ति में अन्तर		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा विज्ञान : डॉ. डी. डी. शर्मा – पल्लव प्रकाशन, मालीवाड, दिल्ली
२. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी –भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी भाषा का व्याकरण : डॉ. मितल जे. भालोडिया – पेरेडाइझ पब्लिशर्स, सतलंज पथ, तारानगर–ए, झोतवारा, जयपुर
४. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्रीवास्तव
५. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. राजमणि शर्मा – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ. के. डी. रुवाली
७. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. श्रीवास्तव
८. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
९. हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
१०. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. विमलेश कांति शर्मा –भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
११. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१३. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
१५. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
१६. हिन्दी व्याकरण : पं. कामताप्रसाद गुरु – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
१७. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. रस छंद अलंकार : पं. धर्मनारायण पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरुण, रीगल बुक डिपो, दिल्ली
२०. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ. भोलानाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी : डॉ. मालती दुबे – पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद
२२. हिन्दी–भाषा : रूप–विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
२३. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन – नीलाम प्रकाशन, दिल्ली
२४. भाषा: इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वान्द्रियैज – हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
२५. प्रशासनिक हिन्दी निपूणता : हरिबाबू कंसाल – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
२६. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने – अमन प्रकाशन, कानपुर
२७. डॉ. फादर कामिल बुल्के की हिन्दी सेवा : प्रा. मोनिका छतवाणी – आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, गाजियाबाद
२८. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	१९ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भाषा शिक्षण – २							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	१९	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण शिक्षा-प्रणाली को विस्तार से जानें।
- छात्रगण भाषा के माध्यम से समाज, राष्ट्र एवं विदेशी प्रकृति को जानें।
- छात्रगण भाषा नीति को विस्तार से जानें।
- छात्रगण भाषा शिक्षण की वर्तमान स्थिति को जानें।
- छात्रगण राष्ट्रभाषा हिन्दी की शैक्षिक एवं राजनैतिक स्थिति को जानें।
- छात्रगण हिन्दी भाषा के विकास एवं विस्तार को गहराई से जानें।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक: नियमित परीक्षार्थी	अंक: बाह्य परीक्षार्थी	क्रेडिट: नियमित परीक्षार्थी	क्रेडिट: बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	व्यतिरेकी विश्लेषण : सिद्धांत और अनुप्रयोग	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		अभिरचना अभ्यास और क्रमादेशी अधिगम				
		त्रुटी विश्लेषण : सिद्धांत और व्यवहार				
		भाषा परीक्षण एवं मूल्यांकन				
		तकनीकी उपकरण और भाषा प्रयोगशाला				
		मातृभाषा और उसका महत्त्व				
		मातृभाषा और समाजीकरण				
	ईकाई-२	हिन्दी की परिभाषा : भाषिक एवं सामाजिक संदर्भ				
		हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास				
		आधुनिक भारत में हिन्दी प्रचार-प्रसार के विभिन्न आन्दोलन				
		वर्तमान हिन्दी भाषा : प्रचार, प्रसार एवं संबंधित संस्थाएँ				
		राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा की संकल्पना				
	ईकाई-३	हिन्दी का अखील भारतीय स्वरूप				
		वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान				
		राजभाषा संबंधी संवैधानिक उपबंध				
		हिन्दी प्रयोग : राष्ट्रपति के आदेश				
		राजभाषा अधिनियम – १९६३				
	ईकाई-४	राजभाषा अधिनियम १९६८				
		राजभाषा अधिनियम १९७६				
		संसदीय राजभाषा समिति के संकल्प				
		राजभाषा प्रयुक्ति का महत्व				
		प्रशासन में हिन्दी का प्रयोग				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – मातृभाषा शिक्षण का प्रयोजन – विदेशी भाषा शिक्षण – त्रिभाषा-सूत्र – द्विभाषाकियता और अन्य भाषा शिक्षण – द्विभाषिकता शिक्षण – हिन्दी भाषा प्रचारक व्यक्ति		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : भाषा शिक्षण
संपादक : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. श्रीवास्तव
२. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना : डॉ. रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
३. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी – साहित्य सहकार, दिल्ली
५. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी – किताब महल, अहमदाबाद
६. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
७. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने : अमल प्रकाशन, कानपुर
८. प्रयोजन मूलक हिन्दी : डॉ. लक्ष्मीकानत पाण्डेय : डॉ. प्रमिला अवस्थी – आशीष प्रकाशन, कानपुर
९. टेलिविझन लेखन : सिद्धांत और प्रयोग : कुमुद नागर – भारत प्रकाशन, लखनउ
१०. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी – जयभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. जनसंपर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम : एम. सी. पंत – तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिंदी मत अभिमत : विमलेश कांति वर्मा '– प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
१३. कम्प्यूटर और हिन्दी : डॉ. हरिमोहन– तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
१४. भाषा-शिक्षण : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. शैली विज्ञान : डॉ. सुरेशकुमार – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि., दिल्ली
१६. भाषा: इतिहास की भाषा वैज्ञानिक भूमिका – जो. वान्द्रियैज, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
१७. अच्छी हिन्दी : डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक – साहित्यागर, जयपुर
१८. व्यावसायिक क्षेत्रों में हिन्दी प्रयोग : सं. डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२०								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी नाटक : कबीरा खड़ा बजार में, अंधायुग								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र महाभारत की घटनाओं को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण महाभारतकालीन युद्ध की बर्बरता को जानें ।
- छात्रगण महाभारत एवं हिरोसीमा-नागासाकी के मानव-संहार की तुलना करें ।
- छात्रगण काव्य-नाटक का स्वरूप समझे ।
- छात्रगण कबीर के जीवनवृत के बारे में जानें ।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र कबीर की समाजसुधार प्रवृति का ज्ञान प्राप्त करें

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक का कथानक				
		नाट्यकला के आधार पर 'कबीरा खड़ा बजार में' का मूल्यांकन				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-२	'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की रंगमंचीयता				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में व्यक्त तत्कालीन धर्मान्धिता, तानाशाही एवं बाह्याडम्बर का विरोध				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की संवाद योजना				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक की प्रासंगिकता				
	ईकाई-३	धर्मवीर भारती : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'अन्धायुग' नाटक का कथ्य				
		'अन्धायुग' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		नाट्यकला के आधार पर 'अन्धायुग' का मूल्यांकन				
		'अन्धायुग' नाटक की आधुनिकता				
	ईकाई-४	'अन्धायुग' नाटक की प्रतिकात्मकता				
		'अन्धायुग' नाटक में व्यक्त समस्याएँ				
		'अन्धायुग' की मिथकीयता				
		'अन्धायुग' की रंगमंचियता				
		'अन्धायुग' नाटक में युद्ध की समस्या				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'अन्धायुग' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में संकलन-त्रय – 'अन्धायुग' नाटक का संकलन-त्रय – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक का उद्देश्य – 'अन्धायुग' नाटक का उद्देश्य – 'कबीरा खड़ा बजार में' नाटक में व्यक्त तत्कालीन परिवेश – 'अन्धायुग' नाटक का अभिनेयता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कबीरा खड़ा बजार में
संपादक : भीष्म साहनी
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : अन्धायुग
संपादक : धर्मवीर भारती
प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, काश्मीरी गेट, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. कलाकार का सत्य : विष्णु प्रभाकर – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२. हिन्दी के नाटक-शिल्पी : डॉ. शान्ति मलिक – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
३. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव : विश्वनाथ मिश्र – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
५. सत्तरोत्तरी हिन्दी नाटकों में चित्रित यथार्थ : डॉ. गोरखनाथ माने – साहित्य सागर, कानपुर
६. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य : डॉ. बेचन – सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
७. हिन्दी नाटक और नाटककार : डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल – कु. नीलम मसन्द, पुस्तक संस्थान, कानपुर
८. हिन्दी के रंगमंचीय नाटकों का शिल्पविधान : डॉ. चन्द्रसेन नावाणी, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद
९. हिन्दी का आधुनिक साहित्य : सत्यकाम वर्मा – भारती साहित्य मन्दिर, दिल्ली
१०. सिद्धांत और अध्ययन : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
११. धर्मवीर भारती : साहित्य के विविध आयाम : डॉ. हुकुमचंद राजपाल – चभू प्रकाशन, साहिबाबाद
१२. अंधा युग : एक सृजनात्मक उलब्धि : सुरेश गौतम – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१३. भारती का काव्य : रधुवंश – मैकमिलन इंडिया लि., दिल्ली
१४. अंधायुग एक शैली वैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. कमलेश त्रिवेदी – दर्पण प्रकाशन, नडियाद
१५. धर्मवीर भारती (व्यक्तित्व एवं कृतित्व) : चन्द्रकान्त बान्दिवेडकर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
१६. अंधायुग : पाठ और प्रदर्शन : जयदेव तनेजा – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१७. धर्मवीर भारती की साहित्य साधना : पुष्पा भारती – भारतीय ज्ञानपीठ, लोदी रोड, नयी दिल्ली
१८. भारतीय लोकरंग शैलियाँ और सामाजिक संदर्भ एक अध्ययन : डॉ. स्मिता सी. पटेल, साहिती हितकारिणी

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२० (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी के चरित्र प्रधान नाटक : चन्द्रगुप्त, अशोक							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२०	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण गुप्त राजाओं की वंशावली को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय रंगमंच की परम्परा को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण चंद्रगुप्त की राजनीति को समझे ।
- छात्रगण चंद्रगुप्त के व्यक्तित्व, शौर्य, देशप्रेम एवं विरता को विस्तार से जानें ।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र नाटक के कथ्य को जानकर नाटक का अभिनय करें ।
- छात्रगण अशोक की वीरता, धीरता, गंभीरता, विनयता, विवेकता को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	चन्द्रगुप्त विद्यालंकार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'अशोक' नाटक का कथानक				
		नाट्यकला के आधार पर 'अशोक' नाटक का मूल्यांकन				
		'अशोक' नाटक के पात्रों का चित्रांकन				
		'अशोक' नाटक की रंगमंचीयता				
	ईकाई–२	'अशोक' नाटक में इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'अशोक' नाटक की संवाद योजना				
		'अशोक' नाटक की प्रासंगिकता				
		'अशोक' नाटक की भाषा–शैली				
		'अशोक' नाटक में व्यक्त अशोक का हृदय परिवर्तन				
	ईकाई–३	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक का कथानक				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		नाट्यकला के आधार पर 'चन्द्रगुप्त' का मूल्यांकन				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक में व्यक्त राष्ट्रीयता				
	ईकाई–४	'चन्द्रगुप्त' नाटक में इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक की रंगमंचीयता				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक की संवाद–योजना				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक की प्रासंगिकता				
		'चन्द्रगुप्त' नाटक की भाषा–शैली				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'अशोक' नाटक का संकलन–त्रय – 'चन्द्रगुप्त' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'अशोक' नाटक के शीर्षक की सार्थकता – 'चन्द्रगुप्त' नाटक में संकलन–त्रय – 'अशोक' नाटक का उद्देश्य – 'चन्द्रगुप्त' नाटक का उद्देश्य – 'अशोक' नाटक का अन्त – 'चन्द्रगुप्त' नाटक का प्रारंभ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अशोक
संपादक : चन्द्रगुप्त विद्यालंकार
प्राप्ति स्थान : राजपाल एण्ड सन्स, काश्मीरी गेट, नई दिल्ली ।

पाठ्य पुस्तक : चन्द्रगुप्त
संपादक : जयशंकर प्रसाद
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
२. प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य : डॉ. विजय बापट – मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपालं
३. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
४. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
५. प्रसाद–प्रतिभा : सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदन – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
६. जयशंकर के नाटकों में संवाद : सिद्धांत और विनियोग : डॉ. (श्रीमती) श्यामा सहाय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. जयशंकर प्रसाद के नाटकों में इतिहास और संस्कृति : डॉ. उमेशचन्द्र मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिंदी–साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१०. हिन्दी साहित्य : रचना से अलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
११. प्रसाद काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिहर प्रसाद गुप्त – भाषा–साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
१२. प्रसाद और स्कन्द गुप्त : आचार्य दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१३. हिन्दी साहित्य का प्रवृति पर के इतिहास : डॉ. समापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. तीर्थोदक : डॉ. गिरिश त्रिवेदी : अभिनन्दन ग्रंथ – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१५. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाबराय लक्ष्मी नारायण – अग्रवाल प्रकाशन, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२१								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग १ : कबीर, मीरांबाई की पदावली								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र मध्यकालीन निर्गुण भक्त साधकों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण औपनिषदिक चिन्तन की परम्परा में कबीर का स्थान निर्धारित करें ।
- छात्रगण कबीर के शास्त्र-निष्ठ आध्यात्म चिन्तन को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय भक्ति परम्परा में मीरां के स्थान को जानें ।
- छात्रगण मीरांबाई के जीवनवृत को विस्तार से समझें ।
- छात्रगण मीरांबाई के पदों की प्रासंगिकता को जानें ।
- छात्रगण कबीर के सामाजिक चेतना संबंधी विद्रोही तेवर को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण मीरांबाई के पदों की दार्शनिकता, कृष्णप्रेम की सात्विकता, अभिव्यक्ति एवं भक्तिभावना को जानें ।
- छात्रगण निर्गुण एवं सगुण भक्तों की तुलना करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	निर्गुणभक्ति आन्दोलन और संत साहित्य	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		कबीर युगीन समाज और संस्कृति				
		कबीर का जीवनवृत				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कबीर वाणी' का मूल्यांकन				
		मध्यकालीन धर्म-साधना और कबीर				
		कबीर की भक्ति भावना				
	ईकाई-२	कबीर के दार्शनिक विचार				
		कबीर का समाज-दर्शन				
		कबीर समाज सुधारक के रूप में				
		'कबीर वाणी' में व्यक्त आधुनिक संदेश				
		ज्ञानाश्रयी भक्ति की विशेषताओं के आधार पर 'कबीर' का मूल्यांकन				
		'कबीर' का समसामयिक परवर्ती संतों पर प्रभाव				
	ईकाई-३	कृष्ण-भक्ति आन्दोलन और मीरांबाई				
		भक्तियुगीन समाज और संस्कृति				
		मीरां का जीवन वृत				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मीरांबाई पदावली' का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	कृष्ण भक्ति परम्परा में मीरां का स्थान				
		मीरां की भक्ति भावना				
		मीरां के काव्य की दार्शनिकता				
		मीरां के काव्य में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'कबीर' की प्रामाणिक कृतियाँ – 'कबीर' की छन्द-योजना – मीरां की प्रामाणिक कृति – मीरां की माधुर्य भक्ति – 'कबीर' का रहस्यवाद – कबीर का राम – मीरां की निर्गुण भक्ति – मीरां के माया सबंधी पद – 'कबीर' की भाषा – कबीर का कवि रूप – मीरां की नवधा भक्ति – मीरां की भाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कबीर
संपादक : हरिहर प्रसाद
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पाठ्य पुस्तक : मीरांबाई पदावली
संपादक : सं. गयाप्रसाद शुक्ल
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति-साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
२. मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का सामाजिक विवेचन : डॉ. सुमन शर्मा – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
३. उत्तरी भारत की संत-परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती भण्डार, प्रयाग
४. संत-काव्य की सामाजिक प्रासंगिकता : डॉ. रवीन्द्रकुमार सिंह – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
५. कबीर की भक्ति-भावना : विलियम द्वायर – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कबीर-चिन्तन : डॉ. ब्रजभूषण शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
७. कबीर : जीवन और दर्शन – उर्वशी सूरती, लोकभारती प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
८. हमारे कवि और लेखक : डॉ. राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी –श्री राकेश प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
९. प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य : सं. डॉ. वीरेन्द्रनारायण सिंह – धुमिल प्रकाशन, अहमदाबाद
१०. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
११. कबीर का काव्य और नाडी-तंत्र : डॉ. शैलेश के. मेहता – वासुकि प्रकाशन, राजकोट
१२. 'सारसार को गही रहै, थोथा देह उडाय': डॉ. शैलेश के. मेहता – बालाजी फ्रेण्ड्स ग्रुप, राजकोट
१३. मीरांबाई और उनकी पदावली : देशराजसिंह भाटी – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१४. श्रेय-साधक : कबीर : डॉ. रामनाथ शर्मा – महाराजा सायजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा
१५. संत कबीर : डॉ. रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, प्रा.लि. इलाहाबाद
१६. मध्यकालीन भक्ति काव्य की धार्मिक पृष्ठभूमि : डॉ. रामनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
१७. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी-गुजराती काव्य विविध संदर्भ : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१८. मीरां बाई पदावली : परशुराम चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
१९. मध्ययुगीन हिन्दी कविता : डॉ. जी.भास्कर भैया – डॉ. माधवी एस. भंडारी, जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. भक्ति काव्य की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
२१. मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचार-पक्ष का आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल – आस्था प्रकाशन, भोपाल
२२. सूरदास और तुलसीदास का राम भक्ति काव्य : प्रा. विजय एम. सोजित्रा – पैराडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२३. साहित्य शोध-विमर्श : डॉ. मितल जे. भालोडिया, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद
२४. प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन : डॉ. कैलाश उपाध्याय – श्री निवास प्रकाशन, जयपुर
२५. साहित्यादर्श : डॉ. स्मिता सी. पटेल – उर्मिलमानस प्रकाशन, न्यु दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२१ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग २ : विनय पत्रिका, पद्मावतीसार								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२१	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण रामभक्ति परम्परा को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण राम के आदर्शों को जानें ।
- छात्रगण सूफी (प्रेमाख्यान) परम्परा को जानें ।
- छात्रगण सूफी साहित्य सर्जकों की मसनवी शैली को जानें ।
- छात्रगत तुलसी के साहित्य सर्जन को जानें
- छात्रगण रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति की तुलना करें ।
- छात्रगण सूफी साहित्य-साधनों को समझें ।
- छात्रगण मुस्लिम सर्जक जायसी के हिन्दु-दर्शन को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		तुलसी के युग की विभिन्न परिस्थितियाँ				
		'विनय पत्रिका' का वर्ण्य-विषय				
		'विनय पत्रिका' में व्यक्त विनय पद्धति				
		'विनय पत्रिका' में निरूपित तुलसी की दार्शनिकता				
	ईकाई-२	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विनय पत्रिका' का मूल्यांकन				
		'विनय पत्रिका' का काव्यरूप				
		'विनय पत्रिका' में व्यक्त तुलसी की भक्तिभावना				
		गीत परम्परा में 'विनय पत्रिका' का स्थान				
		'विनय पत्रिका' में तुलसी की समन्वयात्मकता				
	ईकाई-३	जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		प्रेमाख्यानक परम्परा में 'पद्मावत' का स्थान				
		'पद्मावत' का का कथानक				
		'पद्मावत' में इतिहास एवं कल्पना में समन्वय				
		'पद्मावत' का महाकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई-४	'पद्मावत' की भारतीय संस्कृति				
		'पद्मावत' की प्रतिकात्मकता				
		'पद्मावत' का काव्य-सौंदर्य				
		'पद्मावत' के पात्रों का चरित्रांकन				
		'पद्मावत' में निरूपित नागमती-वियोग				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'विनय पत्रिका' के राम – 'पद्मावत' में सिंहलद्वीप वर्णन –'विनय पत्रिका' में रस–योजना – 'पद्मावत' की भाषा – 'विनय पत्रिका' की अलंकार–योजना – 'पद्मावत' में अन्योक्ति अथवा समासोक्ति – 'विनय पत्रिका' के शीर्षक की सार्थकता – 'पद्मावत' में प्रकृति चित्रण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : विनय पत्रिका
संपादक : तुलसीदास
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पुस्तक : पद्मावती सार
संपादक : सभापति मिश्र
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. पद्मावत–सार : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. पद्मावत का काव्य सौंदर्य : प्रो. शिवसहाय पाठक – हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, मुम्बई
३. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
४. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली
५. विनय पत्रिका : सं. लाला भगवादनदीन 'दीन', इलाहाबाद
६. तुलसीदास, भारतभूषण, 'सरोज' – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
७. विनय पत्रिका : श्री राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. तुलसी : राममूर्ति त्रिपाठी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. रामचरितमानस में हास्य व्यंग्य – डॉ. आरती आर. राठौर
१०. रामचरितमानस और रामचन्द्रिका शिल्प विधान का तु. अ.: डॉ. गीता सिंह – विकास प्रकाशन
१२. रामचरितमानस के चरित्र–सृष्टि – योगेश दुबे – विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. रामचरितमानस का शैली वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. आशुतोष मिश्र – विकास प्रकाशन
१४. रामचरितमानस युग सन्दर्भ में (भाग–१)– डॉ. रामप्यारी ध्रुवे – विकास प्रकाशन, कानपुर
१५. रामचरितमानस के चार संभाषण – प्रा. सो. माधुरी शिवाजीराव पाटील – अभय प्रकाशन, कानपुर
१६. रामचरितमानस और रामचंद्रिका : शिल्प विधान का तु. अ.– डॉ. गीता सिंह – अभय प्रकाशन, कानपुर
१७. रामचरितमानस में चरित्र–सृष्टि – डॉ. योगेश दुबे – अभय प्रकाशन, कानपुर
१८. रामचरितमानस : अयोध्या काण्ड – डॉ. योगेन्द्रप्रताप सिंह – लोकभारती प्रकाशनल इलाहाबाद
१९. रामचरितमानस में मानवेतर प्राण–सृष्टि के चित्रण का उद्देश्य–डॉ. रामानंद तोरणी बाल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२०. रामचरितमानस और कौशिक रामायण का तु.अ.– डॉ. मुकुन्द प्रभु – विद्या प्रकाशन
२१. रामचरितमानस में हास्य–व्यंग्य – डॉ. आरती आर. राठौर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२२. रामचरितमानस मानस का बोली भूगोल – डॉ. हेमलता नागपाल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२३. रामचरितमानस में सामाजिक जीवन – डॉ. स्टेल्लाम्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२४. रामचरितमानस और रामचन्द्रिका : शिल्प विधान का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. गीता सिंह – विद्या प्रकाशन
२५. रामचरितमानस की सांस्कृतिक मीमांसा – डॉ. सोमनाथ शुक्ला – विद्या प्रकाशन, कानपुर
२६. रामचरितमानस में लोकतत्व – रश्मि श्रीवास्तव – अमन प्रकाशन, कानपुर
२७. विनय पत्रिका संक्षिप्त : सं. डॉ. गोपीनाथ तिवारी, कैलाश पुस्तक सदन, ग्वालियर, भोपाल
२८. तुलसीदास : सं. सुदर्शन चोपडा – हिन्दी पॉकेट बुक्स प्रा. लि., नई दिल्ली–३
२९. संक्षिप्त पद्मावत (जायसी) : सं. राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
३०. जायसी : रामपूजन तिवारी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
३१. जायसी काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिहरप्रसाद गुप्त – भाषा–साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
३२. उत्तरी भारत की संत–परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती भण्डार, प्रयाग
३३. संत–काव्य की सामाजिक प्रासंगिकता : डॉ. रवीन्द्रकुमार सिंह – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
३४. कबीर : जीवन और दर्शन – उर्वशी सूरती, लोकभारती प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
३५. जायसी ग्रंथावली सटीक : डॉ. श्रीनिवास शर्मा – अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
३६. प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य : सं. डॉ. वीरेन्द्रनारायण सिंह – ध्रुमिल प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२२								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी अन्य गद्य विधाएँ : पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र रेखा–चित्र के स्वरूप को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण महादेवी वर्मा के अन्य साहित्य सर्जकों के संपर्क को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम से संबंधित रेखाचित्रों द्वारा मानवीय संवेदना को समझे
- छात्रगण संस्मरण के इतिहास को सविस्तार से जानें ।
- पाठ्यक्रम संबंधित छात्र प्रस्तुत रचनाकारों के दुर्लभ व्यक्तित्व से परिचित होंगे ।
- छात्रगण रेखाचित्र एवं संस्मरण का भेद समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	महादेवी वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी रेखाचित्र : परम्परा एवं विकास				
		'सुभद्राकुमारी चौहाण' में व्यक्त महादेवी की भावनाएँ				
	ईकाई–२	'पथ के साथी' में पठित संस्मरणों के आधार पर 'पथ के साथी ' संस्मरण का समग्रलक्षी मूल्यांकन				
		'निराला' में व्यक्त उनकी उदारता, दानवृति एवं अतिथि प्रेम				
		'प्रसाद' में व्यक्त प्रसाद का व्यक्तित्व				
		'पंत' में व्यक्त पंत की चारित्रिक विशेषताएँ				
	ईकाई–३	'पथ के साथी' में व्यक्त रचनाकारों की सृजनात्मकता				
		'भक्तिन' में व्यक्त लछमिन का चरित्रांकन				
		'चीनी फेरीवाला' का भावार्थ				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुन्नू की माई' का मूल्यांकन				
	ईकाई–४	कलावास से भावुक मानव 'ठकुरी बाबा' का मूल्यांकन				
		'स्मृति की रेखाएँ' में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		'स्मृति की रेखाएँ' में पठित रेखाचित्रों के आधार पर 'स्मृति की रेखाएँ' का समग्रलक्षी मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

<table>
<tr><th>विभाग</th><th>प्रश्न का स्वरूप</th><th>समय</th><th>कुल प्रश्न</th><th>अंक</th><th>कुल अंक</th></tr>
<tr><td rowspan="2">अ</td><td>१. आलोचनात्मक प्रश्न</td><td rowspan="2">२.१५</td><td>०४</td><td>१४</td><td>५६</td></tr>
<tr><td>२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – सुभद्राकुमारी चौहाण का विद्रोही व्यक्तित्व
– 'निराला' में भाई–बहन संबंध
– प्रसाद का जीवन संघर्ष
– 'पंत' में व्यक्त मानवीय संबंध
– ' चीनी फेरीवाला' में भाई–बहन संबंध
– 'भक्तिन' शीर्षक की सार्थकता
– 'गूंगिया' का उद्देश्य</td><td>०२</td><td>०७</td><td>१४</td></tr>
<tr><td>ब</td><td>आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)</td><td>०.४५</td><td>०२</td><td>१५</td><td>३०</td></tr>
</table>

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ
लेखिका : महादेवी वर्मा
प्राप्ति स्थान : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
२. हिन्दी वाङमय बीसवीं शतीं : सं. डॉ. नगेन्द्र – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. साहित्य विचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक – आत्मराम एण्ड सन्स, दिल्ली
५. काव्य के रूप : गुलाबराय – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
६. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे – किताब महल, दिल्ली
७. गद्य के नए आयाम : ओमप्रकाश सिंहल – पीताम्बर पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
८. पथ के साथी की रेखाएँ : डॉ. हरिश 'हरि' – रीगल बुक डिपो, दिल्ली
९. साहित्यालोचन : कृष्णदेव शर्मा –विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१०. साहित्यालोचन : प्रो. भारतभूषण 'सरोज' – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
११. संस्मरण : महादेवी वर्मा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१२. महादेवी वर्मा (चिन्तन और कला) : सं. इन्द्रनाथ मदान – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
१३. आधुनिकता और सर्जनशीलता : रधुवंश – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि. दिल्ली
१४. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि महादेवी वर्मा : गंगाप्रसाद पांडेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१९

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	२२ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	भारतीय संविधान : राजनीति एवं कानून							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०६	२२	०२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०६	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भारतीय राजनीति एवं शासन को विस्तार से समझे ।
- पाठ्क्रयम से संबंति छात्र अपने नागरिक अधिकारों को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण न्यायिक प्रणाली को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण भारतीय लोक-तांत्रिक प्रणाली की महत्ता को जानें ।
- छात्रगण भारतीय संविधान का स्वरूप जानें ।
- छात्रगण राज्य सरकारों की स्वायत्तता को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भारतीय संविधान	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भारतीय राजनीति				
		भारतीय अर्थनीति				
		भातीय संघ में राज्य पुनर्गठन नीति				
	ईकाई-२	भारतीय विदेशनीति				
		स्त्री उत्कर्ष कानून				
		मानवाधिकार एवं बालशोषण				
		राष्ट्रपति की शक्तियाँ एवं कार्य				
	ईकाई-३	आरक्षण				
		आतंकवाद				
		राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रभाषा का महत्व				
		राज्यपाल की नियुक्ति, शक्तियाँ एवं कार्य				
	ईकाई-४	राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्रगीत का इतिहास				
		राष्ट्रीय मुद्रा का इतिहास एवं परिचय				
		अन्य राष्ट्रीय प्रतीक				
		पंचायतों की शक्तियाँ, कार्य और उत्तरदायित्व				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दलों का वर्गीकरण – साम्प्रदायिक – भारत में किसान, मजदूर एवं जनजातीय आन्दोलन – अंग्रेजी शासन व्यवस्था – राजनीति और मतदान व्यवहार – चम्पारण आन्दोलन, खेडा आन्दोलन – भारत की पर्यावरण नीतियाँ – पंचायती राज की समस्या और संभावनाएँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि : डॉ. विनयकुमार पाठक – प्रयास प्रकाशन, बिलासपुर
२. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह 'दीनकर' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
४. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
५. भारतीय संस्कृति–कोश : लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय' – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
६. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीयता अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
७. प्रगतिवादी काव्य–साहित्य : डॉ. कृष्णलाल 'हंस' – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
८. आर्थिक एवं विदेश नीति : सरदार पटेल : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
९. गठबंधन की राजनीति : अटलबिहारी वाजपेयी – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. पाकिस्तान–बांग्लादेश : आतंकवाद के पोषक : अरूण शौरी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
११. भारतीय विदेश नीति : जे. एन. दीक्षित – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१२. संघ, राजनीति और मीडिया : देवेन्द्र स्वरूप – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. भारत का संविधान : अनिलकुमार 'सलिल' : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. तिरंगे की गौरव गाथा : ले. कमांडर के. वी. सिंह – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
१५. भारतीय शासन और राजनीति : सं. बासुकीनाथ चौधरी, युवराज कुमार – ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्रा. लि., नई दिल्ली
१६. शैक्षणिक महिलाएँ एवं पंचायती राज : डॉ. स्मिता सी. पटेल – रावत प्रकाशन, नई दिल्ली